

12:10:2025



रांची पारा अपडेट

मैक्सिमम 27.00 °C

मिनिमम 19.00 °C

सूर्यास्त (आज) >> 17.25 बजे

सूर्योदय (कल) >> 05.44 बजे

web: www.rashtriyakhabar.com

चाणक्य नीति

बहुनां चैव सत्त्वानां समवायो रिपुञ्जयः।

वर्षाधारधरो मेघस्तृर्परि निवार्यते॥

भावार्थ : निश्चित रूप से बहुत से मनुष्य मिलकर शत्रु को जीत सकते हैं। मनुष्यों का समुदाय अर्थात उनका संगठन शत्रु को जीतने में उसी प्रकार सफल रहता है, जिस प्रकार इकट्ठी किये हुए तिनके जल की धारा को रोक देते हैं अर्थात घास-फूस का छप्पर वर्षा के पानी से रक्षा करता है।

राष्ट्रीय खबर

संक्षिप्त हलचल

ट्रंप के चीन पर 100% टैरिफ से फिर मड़का व्यापार युद्ध, भारत पर इसका कैसा असर

अखबार जो बदल दे नजरिया

राष्ट्रीय खबर

हमारी नज़र

पेज >> 12 मूल्य >> 3 रुपये >> वर्ष >> 16 अंक >> 277

epaper.rashtriyakhabar.com

कार्तिक, कृष्णपक्ष षष्ठी, विक्रम संवत् 2082

भय्यता का प्रतीक बने अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण पूर्ण

▶▶ ट्रस्ट ने औपचारिक तौर पर न्योता दिया

▶▶ नृपेंद्र मिश्रा ने कार्यक्रम की जानकारी दी

▶▶ चौदह छोटे मंदिरों का काम भी पूरा हुआ

राष्ट्रीय खबर

लखनऊ: अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर का वर्षों पुराना स्वप्न अब पूर्णता को प्राप्त हो चुका है। आस्था और राष्ट्रीय गौरव के इस ऐतिहासिक क्षण को चिह्नित करते हुए,

प्रधानमंत्री मोदी 25 नवंबर को करेंगे ध्वजारोहण



ध्वजारोहण किया जाएगा, जिसके साथ ही मंदिर निर्माण के संपूर्ण होने का संदेश विश्वभर में पहुंचेगा। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने इस बात की पुष्टि की है और बताया है कि प्रधानमंत्री का ध्वजारोहण करना इस बात का संकेत होगा कि मुख्य मंदिर और परिसर में अन्य सभी संबंधित संरचनाओं का निर्माण अब पूरा हो चुका है। उनके अनुसार, यह कार्यक्रम एक तरह से भक्तों के लिए मंदिर परिसर को पूर्ण रूप से खोले जाने की घोषणा होगी। प्रधानमंत्री की उपस्थिति इस समारोह को एक राष्ट्रीय महत्व और अंतरराष्ट्रीय पहचान प्रदान करेगी। राम मंदिर निर्माण एक चरणबद्ध प्रक्रिया के तहत संपन्न हुआ है। इसका पहला चरण जनवरी 2024 में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ पूरा हुआ था, जब भव्य मंदिर के गर्भगृह में राम लला की मूर्ति स्थापित की गई थी। उस समय तक मंदिर की पहली मंजिल का निर्माण भी पूरा हो चुका था, >> पेज 11 भी देखें

कार्यक्रम▶लोकनायक के जन्मदिन पर दो बड़ी कृषि योजनाओं का शुभारंभ

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चालीस हजार करोड़ रु. की परियोजनाओं का उद्घाटन

▶▶ आत्मनिर्भरता मिशन पर अब अधिक ध्यान

▶▶ चयनित एक सौ जिलों में उत्पादन बढ़ाना है

▶▶ कमजोर खेती वाले जिलों पर अलग प्रयास

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कृषि क्षेत्र के लिए 35,440 करोड़ रुपये के संयुक्त परियोजना वाली दो प्रमुख योजनाओं का शुभारंभ किया, जिनमें आयात निर्भरता कम करने के उद्देश्य से एक दलहन मिशन भी शामिल है। यह कार्यक्रम समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया। उन्होंने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में 5,450 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया, साथ ही लगभग 815 करोड़ रुपये की अतिरिक्त परियोजनाओं की



आधारशिला भी रखी। 11,440 करोड़ रुपये के परियोजना वाले दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन का उद्देश्य फसल वर्ष 2030-31 तक दलहन उत्पादन को वर्तमान 252.38 लाख टन से बढ़ाकर 350 लाख टन करना और देश की आयात निर्भरता को कम करना है। 24,000 करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना का उद्देश्य कम प्रदर्शन करने वाले 100 कृषि जिलों का कायाकल्प करना है। यह योजना चयनित 100 जिलों में उत्पादकता बढ़ाने, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने, सिंचाई और भंडारण में सुधार लाने और ऋण उपलब्धता को सुनिश्चित करने पर केन्द्रित होगी। मंत्रिमंडल द्वारा पहले ही स्वीकृत ये दोनों योजनाएँ आगामी रबी (शीतकालीन) मौसम से 2030-31 तक लागू की जाएंगी। उद्घाटित परियोजनाओं में बेंगलुरु और जम्मू-कश्मीर में कृत्रिम गन्नाधान प्रशिक्षण केन्द्र, अमरेली और बनावस में उत्कृष्टता केन्द्र, राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत असम में एक आईवीएफ प्रयोगशाला, मेहसाणा, इंदौर और भीलवाड़ा में दूध >> पेज 11 भी देखें

बवाल हुआ तो घबड़ा गयी है हरियाणा की भाजपा सरकार

आनन फानन में रोहतक एसपी का तबादला



▶▶ वाई पूरन कुमार की आत्महत्या का मामला

▶▶ मामले को लेकर परिवार वालों के सख्त तेवर

▶▶ डीजीपी पर भी जातिगत प्रताड़ना का आरोप

राष्ट्रीय खबर

सेक्टर 11 स्थित आवास पर कथित तौर पर खुद को गोली मार ली। अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा सरकार ने शनिवार को रोहतक के पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारनिया का तबादला कर दिया। कुछ दिन पहले ही आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार ने चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, आईपीएस अधिकारी सुरेंद्र सिंह भोरिया को रोहतक का नया एसपी नियुक्त किया गया है और बिजारनिया की नियुक्ति का आदेश अलग से जारी किया जाएगा। यह >> पेज 11 भी देखें

नालसा के पूर्व क्षेत्र सम्मेलन में बोले सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश सूर्यकांत अदालती कमरे से निकल कर न्याय अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे

▶▶ नालसा के कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं वह

▶▶ सच्ची प्रगति न्याय की पहुंच से तय होती है

▶▶ देश के कई ज्वलंत मुद्दों का उदाहरण भी दिया

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश और राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि देश की न्याय व्यवस्था को अदालतों की सीमाओं से आगे बढ़कर हाशिये पर रहने वालों, खासकर पूर्वी और पूर्वोत्तर

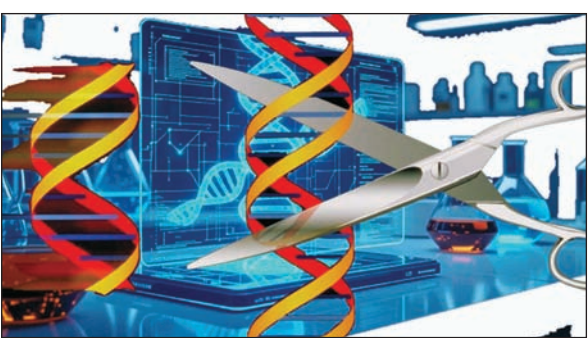


राज्यों में, के जीवन तक पहुंचना होगा। गुवाहाटी के सोनापुर में नालसा पूर्वी क्षेत्र क्षेत्रीय सम्मेलन में उद्घाटन भाषण देते हुए, न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि यह कार्यक्रम एक उद्घाटन से

और सीमावर्ती इलाकों तक। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने प्रचुरता और भेद्यता के विरोधाभास का वर्णन करते हुए कहा कि पूर्वी क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था और संस्कृति में बहुत बड़ा योगदान देता है - असम की चाय और ओडिशा के समुद्र तट से लेकर बंगाल की बौद्धिक परंपराओं और झारखंड के खनिजों तक - लेकिन इस क्षेत्र के कई राज्य गरीबी, असमानता और न्याय तक पहुंच की कमी से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा, सच्ची प्रगति जीडीपी या ऑंकड़ों से नहीं, >> पेज 11 भी देखें

सफलता▶एमआईटी का नया सटीक जीन संपादन उपकरण विकसित किया गया

अब चिकित्सा जगत में दवा के बीच जीन एडिटिंग



▶▶ ज़ुटियों को कम करने की सफलता मिली

▶▶ प्राइम एडिटिंग तकनीक का प्रयोग हुआ

▶▶ ज़ुटियों को कम करने में कामयाबी

राष्ट्रीय खबर

रांची: मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के शोधकर्ताओं ने प्राइम एडिटिंग नामक जीन संपादन तकनीक में एक बड़ी सफलता हासिल की है। यह उन्नत एडिकोण भविष्य में कई बीमारियों के इलाज के तरीके को बदल सकता है, जिससे दोषपूर्ण जीन को स्वस्थ जीनों में बदलना संभव होगा। एमआईटी के प्रोफेसर एमेरिटस फिलिप शार्प, जो इस नए अध्ययन के वरिष्ठ लेखकों में से एक हैं, कहते हैं, यह शोधपत्र

इस तकनीक को सुरक्षित माना जाता है

इस तकनीक को सुरक्षित माना जाता है क्योंकि यह डीएनए के दोनों स्ट्रैंड्स को नहीं काटता है। हालांकि, सही सीक्वेंस जोड़ने के बाद, उसे मूल डीएनए स्ट्रैंड को प्रतिस्थापित करना होता है। यदि पुराना स्ट्रैंड फिर से जुड़ जाता है, तो नया खंड कभी-कभी गलत जगह पर समाप्त हो सकता है, जिससे अनपेक्षित ज़ुटियाँ हो सकती हैं। इन ज़ुटि दरों को कम करने के लिए, एमआईटी टीम ने कैस 9 प्रोटीन में विशिष्ट उत्परिवर्तन का लाभ उठाया। शोधकर्ताओं ने पाया कि यह शिथिलता पुराने डीएनए स्ट्रैंड्स को कम स्थिर बनाती है, जिससे उनका क्षरण होता है। यह बिना किसी ज़ुटि के नए स्ट्रैंड्स को शामिल करना आसान बनाता है। शोधकर्ताओं ने ऐसे कैस9 उत्परिवर्तन की पहचान की, जिन्होंने ज़ुटि दर को उसके मूल मूल्य के 1/20वें हिस्से तक कम कर दिया। ये परीक्षण वृद्धे और मानव कोशिकाओं में किए गए। एमआईटी टीम अब प्राइम एडिटर्स की दक्षता में और सुधार करने पर काम कर रही है और उन्हें शरीर के विशिष्ट ऊतकों तक पहुंचाने के तरीकों पर भी काम कर रही है, जो जीन थेरेपी में एक पुरानी चुनौती है। यह सफलता न केवल जीन थेरेपी के लिए चिकित्सीय क्षमता रखती है, बल्कि शोध प्रयोगशालाओं में भी जीनोम संपादकों के व्यापक उपयोग के लिए उत्साहित करती है। वीपीई जैसे अधिक सटीक और सुरक्षित उपकरणों का पकीकरण कैंसर कोशिकाओं के विकास और दवा उपचारों के प्रति कोशिकाओं की प्रतिक्रिया जैसे कई जैविक प्रश्नों का पता लगाने में मदद करेगा। यह उन्नत प्राइम एडिटिंग तकनीक चिकित्सा के भविष्य को सुरक्षित और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। >> पेज 11 भी देखें

धान की कटाई को लेकर हिंसक झड़प के बाद नाइट कर्फ्यू एक की मौत और तीस के घायल होने से भीषण तनाव

▶▶ राज्यों की सीमा पर लंबे समय से विवाद

▶▶ 8 मेघालय के सीएम ने शांति की अपील की

▶▶ लापांगप और तपत गांव के बीच विवाद

भूपेन गोस्वामी

गुवाहाटी: मेघालय की सीमा से लगे असम के पश्चिम कार्बी आंगलों जिले में धान की कटाई को लेकर हुए एक हिंसक झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई और



30 से अधिक लोग घायल हो गए। यह घटना दोनों राज्यों के बीच चल रहे लंबे सीमा विवाद के बीच हुई है। यह तनाव तब भड़का जब मेघालय के लापांगप गांव के लोगों ने कथित तौर पर उस जमीन पर धान की कटाई शुरू कर दी, जिस पर असम के तपत गांव के निवासियों ने अपना दावा किया था। दोनों पक्षों के बीच एक सप्ताह से तनाव बना हुआ था। पुलिस के अनुसार, यह झड़पें दोपहर में हुई जब तपत गांव के ग्रामीणों ने कटाई का विरोध किया। हिंसा के दौरान कार्बी समुदाय के एक व्यक्ति, >> पेज 11 भी देखें

शहर >> अपडेट

नगर निगम की समीक्षा बैठक

रांची: लोक आस्था का महापर्व छठ को देखते हुए रांची नगर निगम ने शहर के सभी तालाबों और घाटों की सफाई, मरम्मत और अन्य जरूरी तैयारियों के लिए विशेष अभियान शुरू किया है इस संबंध में आज निगम कार्यालय में प्रशासक सुशांत गौरव की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक हुई, जिसमें निगम के सभी विभागों के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में शहर के 74 जलाशयों की स्थिति पर प्रस्तुतीकरण दिया गया और सभी शाखाओं को अपने-अपने कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए। प्रशासक ने कहा कि छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण मिले, यह हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी मिलजुलकर काम करें और घाटों की सफाई ऐसे करें कि कहीं भी गंदगी या कंकड़ नजर न आए।

जेपीएससी ने जारी किया वन क्षेत्र पदाधिकारी का मॉडल उत्तर

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने झारखंड वन क्षेत्र पदाधिकारी प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा 2025 के पहले प्रश्न-पत्र के मॉडल उत्तर जारी कर दिए हैं। यह परीक्षा 29 जून 2025 को आयोजित की गई थी। आयोग ने अभ्यर्थियों से इन मॉडल उत्तरों पर आपत्तियां और सुझाव मांगे हैं ताकि अंतिम उत्तर कुंजी जारी करने से पहले संभावित त्रुटियों का निराकरण किया जा सके। जेपीएससी की ओर से जारी सूचना के अनुसार, सभी अभ्यर्थी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर प्रश्न-पत्र के मॉडल उत्तर देख सकते हैं। यदि किसी उम्मीदवार को किसी उत्तर पर आपत्ति है या कोई सुधार सुझाना है, तो वे आयोग को निर्धारित प्रारूप और प्रक्रिया के तहत सूचित कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे जेपीएससी की वेबसाइट के होम पेज पर जाकर वन क्षेत्र पदाधिकारी भर्ती शीर्षक वाले अनुभाग में प्रवेश करें और

जेपीएससी ने ओड़िया विषय के सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा का परिणाम जारी किया

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड लोक सेवा आयोग ने राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के स्नातकोत्तर विभागों एवं अंगीभूत महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक (ओड़िया विषय) के पद पर नियमित नियुक्ति परीक्षा के अंतिम साक्षात्कार के उपरांत परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। यह परीक्षा परिणाम आयोग की

छठ पर्व 20 अक्टूबर को दीये जलेंगे, 25 से शुरू होगा छठ पर्व

दीपावली-छठ पर बाजारों में बढ़ी रौनक, रंगोली और पूजा सामग्री से सजी दुकानें

राष्ट्रीय खबर

रांची: जैसे-जैसे दीपावली और छठ पर्व नजदीक आ रहे हैं, शहर के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। शनिवार से ही बकरी बाजार, अपर बाजार, मेन रोड और मोरहाबादी की गलियों में खरीदारों से बाजार गुलजार हो रहा है। दुकानों के आगे रंग-बिरंगी सजावट, झिलमिलती लाइटें और रंगोली सामग्री की चमक लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने लगी है। दीपावली इस वर्ष 20 अक्टूबर को मनाई जाएगी, जबकि लोक आस्था का महापर्व छठ 25 से 28 अक्टूबर तक संपन्न होगा। इन दोनों त्योहारों के कारण बाजारों में खरीदारी बढ़ने लगी है। रंग बिरंगे दीये, झालर, पटाखे, खिलौने, और उपहार की दुकानों पर भीड़ तेजी से बढ़ने लगी है। वहीं छठ पूजा को लेकर सूप, दऊरा, पंखा और पीतल-बांस की वस्तुएं बाजार में उतारी जा रही हैं। दीपावली पर घरों की सजावट

तैयारी बड़ा तालाब में सफाई व सुरक्षा पर जोर

छठ महापर्व की तैयारियों का निरीक्षण

► उप प्रशासक ने किया दौरा

► श्रद्धालुओं की सुविधा पर फोकस

► अपशिष्ट डालने पर कार्रवाई

राष्ट्रीय खबर

रांची: छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर शनिवार को उप प्रशासक रविन्द्र कुमार ने वाई संख्या 21 स्थित विवेकानंद सरोवर (बड़ा तालाब) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तालाब के चारों ओर बने घाटों की सफाई व्यवस्था, जल की स्वच्छता और अन्य तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उप प्रशासक ने वाई सुपरवाइजर को निर्देश दिया कि तालाब के सभी घाटों की पूरी तरह सफाई सुनिश्चित की जाए ताकि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि तालाब के



चारों ओर नियमित रूप से फिटकरी और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया जाए ताकि पानी स्वच्छ और सुरक्षित बना रहे। उन्होंने यह भी निर्देश दिया

कि तालाब में गंदगी फैलाने या ठोस एवं तरल अपशिष्ट डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उप प्रशासक ने घाटों पर प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा बलों की

तैनाती और श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि घाटों की सीढ़ियों

संवाद कौशल और नेतृत्व क्षमता बढ़ाने पर जोर

रांची जिला स्तरीय रांची स्पीक्स प्रतियोगिता संपन्न

राष्ट्रीय खबर

रांची: जिला शिक्षा कार्यालय, रांची की ओर से शनिवार को जिला स्तरीय रांची स्पीक्स प्रतियोगिता 2025 का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में संवाद कौशल, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में रांची जिले के सभी 20 प्रखंडों से चयनित प्रखंड स्तरीय विजेता विद्यार्थियों ने भाग लिया। बच्चों ने विभिन्न सामाजिक और प्रेरणादायक विषयों पर अपने विचार वैज्ञानिक और आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का आयोजन दो वर्गों में किया गया था - कक्षा 1 से 5 तथा कक्षा 6 से 8 तक। बच्चों ने अपनी अभिव्यक्ति, वाक्-कला और रचनात्मक सोच से सभी को प्रभावित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य परियोजना निदेशक, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद



(जेईपीसी) के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी शशि रंजन उपस्थित रहे। उनके साथ नीलम आहलीन टोप्पो, क्षेत्रीय उप निदेशक (शिक्षा), दक्षिण छोटानागपुर प्रमंडल, विनय कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी रांची, सचिवालय दिनेशु तिग्गा, प्रशासी अधिकारी, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची तथा जूही रानी, क्षेत्रीय शिक्षा पदाधिकारी रांची सदर भी उपस्थित थीं। सभी अतिथियों ने बच्चों के प्रयासों की

सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं न केवल बच्चों में आत्मविश्वास पैदा करती हैं बल्कि उन्हें भविष्य के नेतृत्व के लिए भी तैयार करती हैं। विजेता विद्यार्थियों की घोषणा के दौरान कक्षा 1 से 5 वर्ग में अंकिता कुमारी (सरकारी मध्य विद्यालय) को समय का महत्व विषय पर, शशि लोहरा (आरसीपी विद्यालय) और निर्मला कच्छप (सरकारी मध्य विद्यालय आईडीडी) को जनजातीय

की मरम्मत, रेलिंग की जांच और महिलाओं व बुजुर्ग श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधा सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि छठ महापर्व झारखंड की सांस्कृतिक और आस्था से जुड़ी पहचान है, इसलिए किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नगर निगम कर्मियों को निर्देश दिया कि प्रतिदिन सुबह और शाम सफाई अभियान चलाया जाए और तालाब के आसपास गंदगी न फैलने दी जाए। रविन्द्र कुमार ने स्थानीय नागरिकों और स्वयंसेवी संस्थाओं से अपील की कि वे प्रशासन का सहयोग करते हुए स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि प्रशासन छठ व्रतियों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए पूरी तत्परता से काम कर रहा है और सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएंगी।

संस्कृति विषय पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। वहीं, कक्षा 6 से 8 वर्ग में राजवीर सिंह (सरकारी मध्य विद्यालय) को डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती, अनुष्का पर्वीन (सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय) को लोकतंत्र का महत्व और हौलिका कुमारी (झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय) को राष्ट्रीय खेल दिवस विषय पर उत्कृष्ट वक्तव्य के लिए विजेता घोषित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार ने कहा कि बच्चों की इस प्रतियोगिता ने यह साबित किया है कि नई पीढ़ी में अपार प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता मौजूद है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि शिक्षा विभाग आगे भी इस तरह के आयोजनों को बढ़ावा देता रहेगा ताकि विद्यार्थी अपने विचारों को खुलकर समाज के सामने रख सकें।

झारखंड की जेलों में कक्षपाल के 29 पदों पर नियुक्ति

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड की जेलों में रिक्त पदों को भरने के लिए संविदा के आधार पर कक्षपालों की नियुक्ति की जाएगी। कारा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह नियुक्ति भूतपूर्व सैनिकों के लिए होगी, जिसके तहत कुल 29 पदों पर कक्षपालों को नियुक्त किया जाएगा। इनमें 27 पद पुरुष कक्षपालों के लिए और 2 पद महिला कक्षपालों के लिए आरक्षित हैं। इस नियुक्ति की प्रक्रिया 11 नवंबर को गढ़वा जेल में आयोजित की

जाएगी। जारी आदेश में कहा गया है कि यह नियुक्ति शुरूआत में एक साल की अवधि के लिए होगी, जिसे आवश्यकतानुसार आगे बढ़ाया भी जा सकेगा। इन पदों पर नियुक्त होने वाले कर्मियों को प्रतिमा 20 हजार रुपये का मानदेय दिया जाएगा, साथ ही उन्हें वर्ष में 20 दिन का क्षतिपूर्ति अवकाश भी देय होगा। इस बीच आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण जमशेदपुर में कक्षपालों की नियुक्ति प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया है।

डैम्पगार्ड क्लासिक, बरगर सुपर सिलिकॉन सीलेट, और रेनकोट न्यो जैसे दर्जनों ब्रांड के पेंट बाजार और दुकानों में उपलब्ध हैं। दुकानदारों बताया कि इन रंगों की मांग पिछले साल की तुलना में लगभग दोगुनी हो गई है, क्योंकि ये बारिश और नमी में भी अपनी चमक बनाए रखते हैं। छठ पर्व की तैयारी जोरों पर है। बकरी बाजार में गुमला, खूंटी, चाईबासा, लातेहार और दुमका से सूप-दऊरा मंगाए जा रहे हैं। सूप की कीमत 80 से 200 रुपये, दऊरा 300 से 700 रुपये, खाका 150 से 350 रुपये और पंखा 50 रुपये तक बिक रहे हैं। अपर बाजार, पिस्का मोड़ और मेन रोड की दुकानों के बाहर रंगोली पाउडर, कलरफुल दीये, कैंडल, लटकन और झुमर सजाए जा रहे हैं। लवलीन 5 से 72 रुपये, रंगोली पाउडर 20 रुपये, लटकन 70 रुपये जोड़ा, कैंडल से 210 रुपये और झुमर 110 से 550 रुपये तक में मिल रहे हैं।

न्यूज फटाफट

दीपावली मेले में ‘गांव’ ने खींचा ध्यान, परंपरा व संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन

रांची: राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में दीपावली की रौनक इस बार कुछ अलग ही है। झारखंड ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन द्वारा 9 से 13 सितंबर तक आयोजित दीपावली मेला में इस बार कुछ ऐसा है, जो हर आगंतुक के दिल को छू रहा है। एक गांव, जो परंपरा, संस्कृति और सादगी की खुशबू से सराबोर है। मेले के बीचोबीच एक गांव बसाया गया है, जहां मिट्टी की दीवारें हैं, खपरैल की छतें हैं, दीवारों पर पारंपरिक सोहराय पेंटिंग्स सजी हैं और आस-पास गुंज रही है लोकगीतों की मधुर ध्वनि। यह गांव असल नहीं है, लेकिन इसकी आत्मा सजीव है। यह उस झारखंड का प्रतीक है, जो अपनी मिट्टी, मेहनत और परंपरा से पहचाना जाता है। इस छोटे से गांव के माध्यम से आयोजकों ने झारखंड के ग्रामीण जीवन की सुंदरता, संघर्ष और आत्मनिर्भरता को बखूबी प्रदर्शित किया है। मिट्टी के घर, बांस की बाड़, चरख और खेत-खलिहान का दृश्य देख ऐसा लगता है, मानो हम किसी गांव की गलियों में चल रहे हों। यहां दर्शार्थी गया है कि ग्रामीण क्षेत्र के लोग किस तरह अपनी मेहनत से जीवन चलाते हैं, आर्थिक रूप से कैसे आत्मनिर्भर बनते हैं और अपने परिवेश के साथ तालमेल बिठाकर प्रकृति से जुड़ाव बनाए रखते हैं। गांव के इस हिस्से में झारखंड की प्रसिद्ध सोहराय पेंटिंग की झलक लोगों को खूब आकर्षित कर रही है। पारंपरिक रंगों से बनी ये पेंटिंग्स सिर्फ सजावट नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति का जीवंत प्रतीक हैं। इसके अलावा, पत्तों से बनाए गए दोना-पतल, टोपी, खटिया और अन्य वस्तुएं दर्शकों को यह समझाती हैं कि झारखंडी समाज कैसे सादगी और पर्यावरण के संतुलन के साथ जीवन जीता है। यहां आने वाले बच्चों के लिए यह जगह किसी जीवंत पाठशाला से कम नहीं, जो बच्चे कभी गांव का दृश्य नहीं देख पाए, वे यहां ग्रामीण जीवन के हर पहलू को बारीकी से देख और समझ पा रहे हैं। मिट्टी की खुशबू, पारंपरिक हस्तशिल्प, लोक संगीत और लोगों की आत्मीयता सब कुछ इस मेला-गांव में समाया हुआ है।

अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम से नौकड़ोंक, विरोध में गई महिलाएं

रांची: झारखंड की राजधानी रांची में अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम के साथ लोगों की नौकड़ोंक हो गई। इस दौरान कई महिलाएं सड़क पर लेटकर टीम का विरोध करने लगीं। खबर लिखे जाने तक रांची नगर निगम की टीम मौके पर मौजूद थी। झारखंड में रांची नगर निगम की ओर से शनिवार को रातू रोड के मधुकम रुगड़ीगड़ा में सरकारी आवास पर अवैध कब्जा को हटाने गई टीम के साथ लोगों की नौकड़ोंक हुई। इस क्रम में मकान पर कब्जा किए लोगों ने हल्ला हंगामा किया और मुख्य प्रवेश द्वार को बंद कर सड़क पर लेट गए। हो हल्ला करने वालों में महिलाओं की संख्या अधिक है। रांची सदर अनुमंडल पदाधिकारी की ओर से आवास को खाली कराने के लिए दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। उक्त दंडाधिकारी के साथ निगम की इंफोर्समेंट टीम और सुबुदेव नगर थाना पुलिस दोपहर में रुगड़ीगड़ा पहुंची थी। इसके बाद दंडाधिकारी ने बिना आवंटन के मकान पर कब्जा कर रहने वाले लोगों से सामान बाहर निकलने को कहा। इसके बाद हल्ला हंगामा शुरू हो गया। रुगड़ीगड़ा में बीएसपी योजना के तहत निगम की ओर से गरीबों के लिए आवास का निर्माण कराया गया है। इन्हीं आवास में कई में से कई में लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया है। इसके अलावा आवासीय परिसर में अस्थायी संरचना का निर्माण और बांस बल्ली लगाकर दुकान चलाने के साथ कई अन्य तरह से लोगों ने अतिक्रमण किया है। निगम की टीम अवैध कब्जा के साथ अतिक्रमण हटाने की तैयारी के साथ रुगड़ीगड़ा पहुंची है।

नहीं कर सकते दूसरी शादी, झारखंड हाइकोर्ट से मुस्लिम शख्स को झटका

रांची: झारखंड हाई कोर्ट ने पहली पत्नी के रहते दूसरी शादी करने वाले धनबाद के पौर्थांलाजिस्ट मोहम्मद अकील आलम को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने कहा कि जब कोई व्यक्ति स्पेशल मैरिज एक्ट, 1954 तक तहत शादी कर लिया है तो उसपर यही कानून लगेगा, ना कि उसका निजी या धार्मिक कानून। कोर्ट में आलम ने यह कहते हुए अपनी दूसरी शादी को वैध ठहराने की कोशिश की थी कि इस्लाम में चार शादियां वैध हैं, लेकिन हाई कोर्ट ने उनकी अपील को खारिज कर दिया। मामला झारखंड के धनबाद का है। यहां एक एक पैर्थांलाजिस्ट अकील आलम ने 4 अगस्त, 2015 को स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी की थी। शादी के कुछ महीने के बाद ही उनकी पत्नी 10 अक्टूबर, 2015 को घर छोड़कर अपने मायके देवघर चली गईं। आलम ने कोर्ट में पत्नी पर आरोप लगाया कि वो बिना कारण उन्हें छोड़कर चली गईं और बार-बार बुलाने पर भी नहीं लौटी। इसके बाद अकील ने देवघर फैमिली कोर्ट में वैवाहिक अधिकारों की बहाली की याचिका दाखिल की थी। लेकिन इस मामले पर पत्नी ने कोर्ट में बताया कि अकील आलम पहले से शादीशुदा थे और उनकी पहली पत्नी से दो बेटियां हैं। पत्नी ने आरोप लगाया कि पति अकील आलम ने उसके पिता पर जयदाद नाम करने के लिए कहा और जब ऐसा नहीं हुआ तो उसके साथ मारपीट की। फैमिली कोर्ट में सुनवाई के दौरान अकील आलम ने खुद माना था कि शादी के वक्त उनकी पहली पत्नी जीवित थी। कोर्ट ने इस दौरान पाया कि अकील आलम ने शादी के समय रजिस्ट्रेशन में यह बात छिपाई थी। इसके अलावा अकील ने कहा था कि उनकी दूसरी शादी अवैध है, ताकि उसे मेटेंनेस ना देना पड़े। अब अकील अपनी शादी को वैध बताकर पत्नी को वापस बुलाने की मांग कर रहा है। फैमिली कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए अकील ने झारखंड हाई कोर्ट का रुख किया। झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस राजेश कुमार की बेंच ने फैमिली कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि स्पेशल मैरिज एक्ट की धारा 4 (ए) साफ कहती है कि शादी के समय किसी भी पक्ष की पहले से कोई जीवित पत्नी या पति नहीं होना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि यह एक्ट नॉन ऑब्स्टांट क्लॉज के साथ शुरू होता है, यानी स्पेशल मैरिज एक्ट का प्रावधान किसी भी अन्य कानून पर ज्यादा प्रभाव रखता है, फिर चाहे वो धार्मिक ही क्यों ना हो।

झारखंड में ठंड की दस्तक, तेजी से गिरेगा तापमान

रांची: झारखंड में मौसम का मिजाज अब तेजी से बदल रहा है। पिछले कुछ दिनों की लगातार बारिश के बाद राज्य के कई इलाकों में आसमान साफ हो गया है, लेकिन तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। राजधानी रांची, पलामू और लातेहार समेत कई जिलों में सुबह और शाम के वक्त हल्की ठंडक महसूस की जा रही है। मौसम विभाग ने आज कहा है कि यह संकेत है कि झारखंड में अब धीरे-धीरे ठंड की शुरूआत होने वाली है। मौसम विभाग ने बताया कि तापमान में तेजी से गिरावट होने वाली है। लातेहार जिले में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 18.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे कम तापमान है। वहीं गोड्डा में सबसे अधिक 34.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। राजधानी रांची में पूरे दिन तेज और चुभती धूप रही, जिससे लोगों को उमस का सामना करना पड़ा। इसके विपरीत पलामू जिले में सबसे ज्यादा 19 मिमी बारिश हुई, जहां दिनभर रुक-रुककर बारिश होती रही। मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले दिनों में मौसम में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। रांची मौसम केंद्र ने बताया कि अगले 24 घंटों में राज्य से मानसून की हिदाई की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। सबसे पहले झारखंड के पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी जिलों से बादल हटने लगेंगे। 9 अक्टूबर के बीच झारखंड में औसतन 38.0 मिमी की तुलना में 66.7 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से करीब 75 प्रतिशत अधिक है। विभाग के आंकड़ों के अनुसार, कुछ जिलों में ज्यादा बारिश दर्ज की गई, जबकि कुछ में सामान्य से कम बारिश हुई। अगले 15 दिनों के पूर्वानुमान में मौसम विभाग ने कहा है कि 16 अक्टूबर तक राज्य के कुछ हिस्सों में गर्जन के साथ हल्की बारिश हो सकती है, जबकि सप्ताह के अंत तक मौसम शुष्क रहेगा। इसके बाद 17 से 23 अक्टूबर के बीच पूरे राज्य में सामान्य से कम बारिश की संभावना जताई गई है। लातेहार और गुमला जैसे जिलों में रात के तापमान में गिरावट जारी है।



थंहर >> अपडेट

राहे मंडल भाजपा ने किया छाता का वितरण

राहे : सेवा पखवाड़े के अंतर्गत कार्यकताओं के बीच हस्तनिर्मित शैली वितरण के बाद शनिवार को मंडल के सभी पंचायत के पदाधिकारियों के बीच छाता का वितरण किया गया,साथ ही सभी कार्यकताओं से देशी वस्तुओं के प्रयोग करने की अपील किया गया। इस दौरान कार्यकताओं ने सेवा पखवाड़े 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक जनता के बीच किए कार्यों की समीक्षा किया गया। मौके मंडल महामंत्री मेघनाथ महतो,पूर्व मंडल अध्यक्ष ज्योति प्रसाद कोइरी, रामधन महतो, दिलेश्वर, ,ज्ञानरजन, लक्ष्मीकांत, कृष्णा,लक्ष्मण,नूनी,महेंद्र,महेश्वर महतो आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स >>

सेक्टर-6 थाना के मालखाना में लगी आग

बोकारो : शनिवार की सुबह सेक्टर -6 थाना के मालखाना में अचानक आग लगने से अफरतफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। मालखाना में रखे जल सामानों और केस से जुड़े कागजातों को आग ने अपनी चपेट में ले लिया। घटना के समय थाना परिसर में मौजूद पुलिस अधिकारी और कर्मियों ने तत्काल सक्रियता दिखाई और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया। दमकल विभाग को सूचना दी गई, लेकिन दमकल वाहन के मौके पर पहुंचने से पहले ही पुलिसकर्मियों और आसपास के लोगों ने आग पर काफी हद तक नियंत्रण पा लिया। सूचना मिलते ही नगर पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) आलोक रंजन घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच की। उन्होंने मालखाना में रखे रिकॉर्ड, जल वाहनों के पाटर्स और अन्य सामग्रियों की क्षति का जायजा लिया।फिलहाल आग से कितनी संपत्ति का नुकसान हुआ है, इसका अंकलन किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की मानवजनित लापरवाही की बात सामने नहीं आई है, परंतु इलेक्ट्रिक वायरिंग की स्थिति की जांच के लिए विद्युत विभाग को सूचना दे दी गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो, इसके लिए सभी विद्युत उपकरणों और वायरिंग की जांच की जाएगी तथा सुरक्षा मानकों की और मजबूत किया जाएगा।

संक्षिप्त >> अपडेट्स

हादसे में बाल-बाल बचे सवार

बोकारो : सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत राम मंदिर से सेक्टर-4 की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर शनिवार की सुबह एक स्कॉर्पियो वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डिवाइडर का हिस्सा टूट गया और वाहन चढ़कर बीच में अटक गया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई भी व्यक्ति हताहत नहीं हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कॉर्पियो तेज रफ्तार में थी और मोड़ पर चालक का सतुलन बिगड़ गया, जिसके कारण वाहन सीधे डिवाइडर से जा भिड़ा। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना सिटी थाना पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। वाहन को बाद में क्रैन की सहायता से हटाया गया। पुलिस ने बताया कि प्राथमिक जांच में चालक के झपकी आने या वाहन के नियंत्रण खोने की आशंका जताई जा रही है। हादसे में वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।स्थानीय लोगों ने बताया कि उक्त स्थान पर पूर्व में भी तेज रफ्तार वाहनों के कारण कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

कार्रवाई

बिना अनुज्ञप्ति संचालित पटाखा दुकानों की होगी सख्त कार्रवाई

आमजन की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : उपायुक्त

राष्ट्रीय खबर

बोकारो : दीपावली पर्व के आगमन को देखते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने अनुमंडल पदाधिकारी चास एवं बेरमो (तेनुघाट) को निर्देश दिया है कि जिले में संचालित सभी पटाखा दुकानों की सघन जांच की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सक्षम प्राधिकार द्वारा निर्गत अनुज्ञप्ति के बिना कोई भी दुकान संचालित नहीं होनी चाहिए। जांच के दौरान जिन दुकानों के पास वैध अनुज्ञप्ति नहीं पाई जाएगी या जो रिहायशी एवं आबादी वाले क्षेत्रों में पटाखों की बिक्री कर रही हैं, उनके विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि आमजन की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में किसी भी प्रकार का



समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों की घटनाओं से सबक लेते हुए प्रशासन पूरी सख्ती बरत रहा है। वर्ष 2024 में दीपावली के दौरान गरागा पुल, बी.एस.सिटी क्षेत्र में पटाखा दुकानों में भीषण आग लगने से भारी नुकसान हुआ था। इसी प्रकार 10 मार्च 2025 को

गढ़वा जिले के रंका प्रखंड के गोदरमाना में पटाखा दुकान में लगी आग से तीन बच्चों सहित पांच लोगों की मृत्यु हुई थी। जांच में पाया गया था कि वह दुकान बिना अनुज्ञप्ति के अवैध रूप से संचालित थी। इन घटनाओं को देखते हुए उपायुक्त ने कहा कि जिले में इस तरह की दुर्घटनाओं

की पुनरावृत्ति रोकना प्रशासन की प्राथमिकता है। दीपावली पर्व 2025 के अवसर पर अस्थायी रूप से पटाखा दुकान लगाने के इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। विस्फोटक नियमावली, 2008 के नियम 84 के तहत अस्थायी पटाखा दुकान हेतु अनुज्ञप्ति निर्गत की जाएगी। इसके लिए इच्छुक व्यक्ति विहित प्रपत्र एई-5 में आवेदन भर सकते हैं। आवेदन के साथ निर्धारित शुल्क, दो पासपोर्ट आकार के स्वहस्ताक्षरित फोटोग्राफ, आधार कार्ड की प्रति तथा स्वप्रमाणित शपथ पत्र संलग्न करना अनिवार्य है।उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी चास और बेरमो को निर्देश दिया है कि प्राप्त आवेदनों की स्थलीय जांच तीन

दिनों के भीतर पूरी की जाए तथा स्पष्ट प्रतिवेदन एवं अनुशंसा सहित रिपोर्ट जिला कार्यालय को प्रेषित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी अस्थायी पटाखा दुकानें सुरक्षित, खुली एवं गैर-आवासीय क्षेत्रों में ही लगाई जाएं। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि जन सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा और विधि व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा। प्रशासन द्वारा पटाखा बाजारों में दमकल व सुरक्षा दलों की तैनाती की जाएगी और फायर सेफ्टी उपकरणों की जांच सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व उल्लासपूर्वक और सुरक्षित वातावरण में मनाने के लिए प्रशासन हर स्तर पर सतर्क है।

राष्ट्रपति के नाम झापन सौंपा



राष्ट्रीय खबर

बोकारो : शनिवार को देश के कांग्रेस पार्टी अनुसूचित जाति विभाग के निर्देशानुसार बोकारो जिला कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग की ओर से जिला अध्यक्ष प्रदीप रजक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक झापन उप विकास आयुक्त को सौंपा। झापन में उल्लेख किया गया कि देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, जो दलित एवं बौद्ध समुदाय से आते हैं, पर जूना फेकने जैसी शर्मनाक और जातिगत घृणा से प्रेरित घटना की गई है। यह केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि पूरे अनुसूचित

जाति समुदाय, देश की गरिमा और संविधान के मूल मूल्यों पर सीधा प्रहार है। नेताओं ने मांग की कि इस घृणित कृत्य को अंजाम देने वाले अधिवक्ता के खिलाफ तत्काल कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति समाज इस तरह के कृत्य को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रतिनिधिमंडल में झारखंड प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के उपाध्यक्ष मनोज कुमार, प्रदेश सचिव अमल दास, अवधेश यादव, अशोक दास, श्रीकांत दास, रेणुका बाउरी, ममता देवी सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सेक्टर-6 स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव केन्द्र शुरू करने का निर्देश

सिविल सर्जन ने किया औचक निरीक्षण



राष्ट्रीय खबर

बोकारो : सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने आज सेक्टर-6 स्थित शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. किरण, फार्मासिस्ट, स्टाफ नर्स और अन्य स्वास्थ्यकर्मों उपस्थित थे। डॉ. प्रसाद ने दवाओं की उपलब्धता और रखरखाव की

जांच की तथा एक्सपायरी दवाओं की भी समीक्षा की। निरीक्षण के समय तक कुल 17 मरीजों की जांच की जा चुकी थी। उन्होंने बढ़ती मरीज संख्या को देखते हुए शहरी कार्यक्रम प्रबंधक को निर्देश दिया कि केंद्र में प्रसव केन्द्र की स्थापना के लिए आवश्यक उपकरणों की सूची तैयार कर शीघ्र कार्रवाई करें।

साथ ही, उपलब्ध जगह का उपयोग करते हुए स्टाफ की बैठकें, मॉनिंग और प्रशिक्षण भी इसी केंद्र में आयोजित करने का निर्देश दिया। औचक निरीक्षण के दौरान प्रधान लिपिक दिलीप कुमार सिंह, जिला शहरी स्वास्थ्य प्रबंधक (प्लानिंग) विश्वरंजन, सैफुल्लाह अंसारी एवं मो. शब्बीर अनवर उपस्थित थे।

अंतर विद्यालय वाद- विवाद

प्रतियोगिता का आयोजन



राष्ट्रीय खबर

बोकारो : शनिवार को मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में सामूहिक सतर्कता न्याक्तिगत सत्यनिष्ठा से अधिक शक्तिशाली है विषय पर अंतर विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 13

विद्यालयों के 52 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसवीओ ज्ञानेश झा और मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) नीता बा उपस्थित थीं। ज्ञानेश झा ने सभी को सत्यनिष्ठा की शपथ दलाई और कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में महाप्रबंधक (जन संपर्क) एवं प्रमुख संचार मणिकांत धान, एसीएमओ (बीओएच) डॉ. लुपि चंद्रा और महिला समिति की लेखिका एवं सचिव ऋचा प्रियदर्शनी शामिल

थीं। अंग्रेजी वाद-विवाद में पेंटिकॉस्टल असेंबली स्कूल के अर्पण कुमार को प्रथम, चिन्मया विद्यालय के अभिनव पाठक को द्वितीय और सेंट जेवियर्स स्कूल की तृषा सिन्हा को तृतीय स्थान मिला। हर्षित सिंह को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। हिंदी वाद-विवाद में आकृति मिश्रा प्रथम, पिंयूष कुमार द्वितीय, अयान रजा तृतीय और इशिता मुखर्जी को सांत्वना पुरस्कार मिला। विजेताओं को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन वरीय प्रबंधक (सतर्कता) चित्रा पराशर ने किया।

शुभारंभ

स्व. नर्मदा देवी-सत्यनारायण जी ढोदराजका स्मृति नेत्र शिविर का शुभारंभ

78 नेत्र रोगियों के आंखों की जांच किया

राष्ट्रीय खबर

जमशेदपुर: भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, पूर्वी सिंहभूम, राम मनोहर लोहिया नेत्रालय द्वारा द्रोपदी देवी चिन्मलाल बालोटिया फैमिली ट्रस्ट, राजस्थान सेवा सदन तथा जिला ग्रामीण स्वास्थ्य समिति के सहयोग से स्व. नर्मदा देवी सत्यनारायण जी दोदराजका की स्मृति में प्रत्येक वर्ष की भाँति नेत्र शिविर के 788वें सत्र का शुभारंभ हुआ। नेत्र चिकित्सक डॉ. बी. पी. सिंह एवं उनके सहयोगी चिकित्सीय टीम द्वारा 78 नेत्र रोगियों के आंखों की जांच किया, जिसमें से 49 नेत्र रोगियों को



मोतियाबिन्द ग्रस्त पाया गया। शेष अन्य नेत्र रोगियों को जल्दतर के अनुचार दवा व चिकित्सीय परामर्श प्रदान कर विदा किया गया।

समाजसेवी व साहित्यविद गोविन्द प्रसाद दोदराजका के संयोजन के आयोजित नेत्र शिविर में आज 49 नेत्र रोगियों के शारीरिक जांच के

पश्चात उपयुक्त नेत्र रोगियों का ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण नेत्र चिकित्सक डॉ. बी. पी. सिंह, डॉ. भारती शर्मा, डॉ. पूनम सिंह, डॉ.

विवेक केडिया एवं उनके सहयोगी चिकित्सीय टीम द्वारा रविवार को राम मनोहर लोहिया नेत्रालय के ऑपरेशन थियेटर में किया जायेगा। आज जांच सत्र के दौरान रेड क्रॉस सोसाइटी, पूर्वी सिंहभूम के मानद सचिव विजय कुमार सिंह के साथ आशुतोष पारीक, रakesh मिश्र, विशाल सिंह, अशोक कुमार घोषाल, अशोक सिंह, चन्द्रन्ना सरकार, प्रकाशभानु महतो, श्याम कुमार प्रसाद मुख्य रूप से उपस्थित थे। रविवार को नेत्र शिविर के ऑपरेशन सत्र का उद्घाटन दोदराजका परिवार के सदस्यों द्वारा किया जायेगा।

न्यूज फटाफट

कसमार प्रखंड झामुमो महिला, छात्र व व्यवसाय मोर्चा का हुआ गठन



कसमार : बिनोद बिहारी महतो महाविद्यालय मंजुरा सपाहीटांड परिसर में शनिवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा महिला मोर्चा, व्यवसाय मोर्चा व छात्र मोर्चा का गठन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष दिलिप हेम्ब्रम व संचाल जिप सदस्य अशोक मूर्मु ने की। सर्वसम्मति से महिला मोर्चा का प्रखंड अध्यक्ष प्रिया देवी, सचिव रिता देवी, कोषाध्यक्ष बसंती देवी, उपाध्यक्ष पुनम देवी को बनाया गया। वहीं व्यवसायिक मोर्चा के अध्यक्ष विशाल कुमार पोद्दार, सचिव वकिल प्रजापति, कोषाध्यक्ष राजेश टुडू तथा छात्र मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष सौरभ कपरदार, सचिव मासूम अली रजा व कोषाध्यक्ष दीपक ठाकुर चुने गये।मौके पर जिला सचिव मुकेश महतो, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सह नवाडीह प्रमुख पुनम देवी, सचिव बबिता देवी, उपाध्यक्ष सह कसमार प्रमुख नियाति कुमारी, अबिका देवी, व्यवसाय मोर्चा जिलाध्यक्ष राकेश सेटी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष आजाद अंसारी, छात्र मोर्चा जिलाध्यक्ष सुमित रावनी, पेंटरवार प्रखंड अध्यक्ष कृष्णा महतो, सचिव सोहेल अंसारी, रुपेश कुमार महतो, द्वारिका प्रसाद महतो, हरेन्द्र महतो, जानी अंसारी, विजय करमाली, उत्तम राय, कुलदीप करमाली, दशरथ टुडू आदि उपस्थित थे।

विद्यालयों में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस



बोकारो : समाज कल्याण विभाग, झारखंड सरकार द्वारा संचालित केंद्र प्रायोजित कार्यक्रम के अंतर्गत उपायुक्त श्री अजय नाथ झा के निर्देश पर जिले के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका उच्च विद्यालयों में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ थीम पर रंगोली, पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर 11 अक्टूबर 2025 को आयोजित हुआ। आयोजन का उद्देश्य बालिकाओं में रचनात्मकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ उन्हें आत्मविश्वासी, शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए प्रेरित करना था। प्रतियोगिता का संचालन जिले के सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने अपनी कला और विचारों के माध्यम से समाज को बालिका शिक्षा और सुरक्षा के महत्व का संदेश दिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को लंच बॉक्स, वॉटर बॉटल और छाता देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के संचालकों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस बालिकाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर और समाज में सम्मानित स्थान दिलाने के संकल्प का प्रतीक है।इलायतु हो कि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस वर्ष 2012 से संयुक्त राष्ट्र के आह्वान पर मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य बालिकाओं के सामने आने वाली चुनौतियों, उनके अधिकारों और अवसरों को लेकर समाज में जागरूकता फैलाना है। इस वर्ष 2025 में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस का वैश्विक थीम है 'मैं जो लड़की हूँ, मैं जो बदलाव लाती हूँ' : संकट के अग्रिम मोर्चे पर लड़कियां। यह थीम बालिकाओं की भूमिका को न केवल परिवर्तन की वाहक के रूप में, बल्कि समाज में स्थायी और सकारात्मक बदलाव की अग्रदूत के रूप में भी रेखांकित करती है।

अधूरे सड़क की जल्द मरम्मत की मांग

कसमार : कसमार प्रखंड अंतर्गत बिनोद बिहारी महतो चौक मंजुरा (सपाहीटांड) से रांगामाटी आरईओ चौक तक लंबित सड़क मरम्मत कार्य को जल्द पूर्ण कराने की मांग झामुमो युवा नेता रुपेश कुमार महतो समेत अन्य ग्रामीणों ने बोकारो उपायुक्त से की है। स्थानीय ग्रामीणों समेत रुपेश महतो ने उपायुक्त को लिखे पत्र में कहा है कि इस सड़क का विशेष मरम्मत कार्य का शिलान्यास 19 अक्टूबर 2023 को तत्कालीन विधायक लंबोदर महतो के द्वारा किया गया था। जबकि कार्य पूर्ण की तिथि 18 अक्टूबर 2024 को है। मेसर्स अतुल इंटरप्राइजेज को कार्य का ठेका मिला है। जिसमें श्यामल कुमार झा द्वारा पेंटी टेढ़ेदार के द्वारा कार्य किया जा रहा है। लगभग 1.50 करोड़ की लागत से विशेष मरम्मत कार्य किया जाना था। लगभग 50 लाख रुपए की निकासी हो चुकी है। लेकिन कार्य पूर्ण की अवधि 1 वर्ष के बदले 2 वर्ष पूर्ण होने के बावजूद भी सड़क मरम्मत कार्य पूर्ण नहीं किया गया। आवेदन में मलेश्वर महतो, लीलावती देवी, होलिका देवी, मंजू देवी, उर्मिला देवी आदि ने कहा कि मंजुरा, दुगापुर, बगदा एवं अन्य पंचायत के लोगों का प्रखंड एवं जिला मुख्यालय आवागमन का यह मुख्य सड़क है जिसमें कसमार बैंक, बाजार आदि के लिए लोग आवागमन करते हैं। सड़क मरम्मत नहीं होने से आये दिन राहगीर सड़क दुर्घटना का शिकार होते हैं।

जेपी जयंती पर विचार गोष्ठी

बोकारो : सर्वोदय मंडल सह जयप्रकाश स्मारक समिति की ओर से सेक्टर 3डी स्थित कर्मचारी पंचायत कार्यालय में लोकनायक जयप्रकाश नारायण जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत लोकनायक जयप्रकाश नारायण के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि देने से हुई। उपस्थितजनों ने उनके सम्पूर्ण क्रान्ति के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आज देश में लोकतंत्र खतरे में है, सरकार निरंकुश होती जा रही है और जनता की आवाज को कुचला जा रहा है। सांप्रदायिकता, असहिष्णुता और संस्थाओं के दुरुपयोग से लोकतंत्र की जड़ें कमजोर हो रही हैं। न्यायपालिका और चुनाव आयोग जैसी स्वतंत्र संस्थाएं भी दबाव में हैं। ऐसे दौर में लोकनायक जेपी के सम्पूर्ण क्रान्ति के विचार पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। वक्ताओं ने कहा कि जेपी का सम्पूर्ण क्रान्ति आंदोलन केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं बल्कि व्यवस्था परिवर्तन का आंदोलन था, जिसमें समाज, शिक्षा, राजनीति और अर्थव्यवस्था के सुधार के सभी आयाम शामिल थे। युवाओं से आह्वान किया गया कि वे लोकतंत्र की रक्षा और समाज परिवर्तन के लिए संगठित हों। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि भूदान आंदोलन से प्राप्त जमीनों की पहचान कर भूमिहीनों के बीच वितरण, छात्रों के बीच चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से जेपी और गांधी के विचारों का प्रचार तथा गांवों में जनसंपर्क व विचार गोष्ठियों के आयोजन किए जाएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अदीप कुमार ने की और संचालन विजय कुमार विजय ने किया। इस अवसर पर मनोज भारतीय जयप्रकाश का बिगुल बजा तो जाग उठी तरुणाई है भीर प्रस्तुत कर माहौल को जोश से भर दिया। कार्यक्रम को आर. के. बर्मा, डॉ. विनय योग, सुरेन्द्र मिश्रा, महावीर कुमार, कैलाश चंद्र महतो, जीवन जगन्नाथ, अमृत बाउरी, शंकर महतो, सुदामा यादव, रविन्द्र प्रसाद सिंह, उपेन्द्र सिंह और अरविंद कुमार सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

मेरी आवाज सुनो, प्यार के राज..

रजत कुमार गुप्ता

खैर सवाल सिर्फ नोबल पुरस्कार का ही नहीं है। देश में भी बिहार चुनाव को लेकर घमासान की स्थिति है। एनडीए की पूरी जिम्मेदारी फिर से नरेंद्र मोदी पर है जबकि नीतीश कुमार के मानसिक स्वास्थ्य पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। दूसरी तरफ मीडिया के एक वर्ग के निरंतर प्रचार के बाद भी इंडिया एलाइंस एकजुट है। लिहाजा इन दोनों पक्षों के बीच प्रशांत किशोर का होना एक नये समीकरण को जन्म दे सकता है।

मेरी आवाज सुनो, प्यार के राज..

मेरी आवाज सुनो की पुकार किसी और ने नहीं बल्कि रूस के शक्तिशाली राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने लगायी है।

बेचारे डोनाल्ड ट्रंप बहुत आस लगाकर बैठे थे पर नोबल कमेटी ने उनकी दावेदारी को इस बार के लिए खारिज कर दिया। यह सरासर बेइमानी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है, जिसके केंद्र में युद्ध रुकवाने और लाखों लोगों की जान बचाने के उनके दावे हैं। हालांकि, उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार नहीं मिला है, जिस पर व्हाइट हाउस ने औपचारिक तौर पर नाराजगी भी जताई है, और इस पूरे घटनाक्रम को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अप्रत्याशित समर्थन से और बल मिला है।

ट्रंप लगातार यह दावा करते रहे हैं कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान सात से आठ युद्धों को रुकवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें रूस-यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने की पहल और मध्य-पूर्व में शांति प्रयासों का जिज्ञ प्रमुख है। उनका मानना ​​है कि लोगों के जीवन की रक्षा करना ही उनके लिए सबसे बड़ा नोबेल है। नोबेल समिति द्वारा उनके प्रयासों को अनदेखा किए जाने पर उन्होंने अक्सर अपनी निराशा व्यक्त की है, यहाँ तक कि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को उनके कार्यकाल के शुरूआती चरण में ही पुरस्कार मिलने पर भी सवाल उठाए हैं।

नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा से ठीक पहले व्हाइट हाउस ने ट्रंप की एक तस्वीर साझा करते हुए उन्हें शांति का राष्ट्रपति करार दिया था, जो उनकी दावेदारी के प्रति प्रशंसा के दृढ़ विश्वास को दर्शाता है। इस बीच, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ट्रंप की नोबेल पुरस्कार की दावेदारी का खुले तौर पर समर्थन करके अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को चौंका दिया। रूस ने विशेष रूप से यूक्रेन युद्ध को



समाप्त करने के ट्रंप के प्रयासों को सराहा और कहा कि उनका नामांकन वैश्विक शांति की दिशा में एक सकारात्मक कदम होगा। रूस का यह समर्थन भू-राजनीतिक दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका और रूस के बीच कई मुद्दों पर तनाव रहा है। कुछ विश्लेषक इसे रूस द्वारा अमेरिका के आंतरिक राजनीतिक ध्रुवीकरण का लाभ उठाने के प्रयास के रूप में भी देखते हैं, जबकि अन्य इसे शांति प्रयासों की सराहना मानते हैं।

ट्रंप को पुरस्कार न मिलने के पीछे नोबेल समिति की कसौटी को एक कारण माना जाता है। समिति उन प्रयासों को देखती है जो स्थायी शांति लाते हों और मानवाधिकारों को बढ़ावा देते हों। कुछ विश्लेषकों का मत है कि व्यापारिक धमकियों या अस्थायी समझौतों पर आधारित युद्धविराम को समिति स्थायी शांति के रूप में नहीं देखती। इन तमाम दावों और समर्थन के बावजूद, 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार वेनेजुएला की लोकतंत्र समर्थक नेता मारिया कोरिना मचाडो को दिया गया। इसी बात पर एक पुरानी फिल्म नौनिहाल का

यह गीत याद आ रहा है। इस गीत को लिखा था कैफी आज़मी ने और संगीत में ढाला था मदन मोहन नै। इसे मोहम्मद रफी ने अपना स्वर दिया था। यूं तो यह देशभक्ति से प्रेरित गीत है पर इस माहौल में भी यह गीत फिट प्रतीत होता है। गीत के बोल कुछ इस तरह हैं।

मेरी आवाज सुनो, प्यार के राज सुनो मैंने एक फूल जो सीने पे सजा रखा था उसके परदे में तुम्हें दिल से लगा रख द्या था जुदा सबसे मेरे इश्क का अंदाज सुनो जिन्दगी भर मुझे नफरत सी रही अशकों से मेरे ख्वाबों को तुम अशकों में डुबोते क्यों हो

जो मेरी तरह जिया करते हैं कब मरते हैं थक गया हूँ मुझे सो लेने दो रोते क्यों हो सो के भी जागते ही रहते हैं जाँबाज सुनो ...

मेरी दुनिया में ना पूरब है ना पश्चिम कोई सारे इत्सान सिमत आये खुली बाहों में कल भटकता था मैं जिन राहों में तन्हा तन्हा

काफिले कितने मिले आज उन्हीं राहों में

और सब निकले मेरे हमदर्द मेरे हमराज सुनो ...

नौनिहाल आते हैं अस्थी को किनारे कर लो मैं जहाँ था इन्हें जाना है वहाँ से आगे आसमों इनका जमीं इनकी जमाना इनका हैं कई इनके जहाँ मेरे जहाँ से आगे इन्हें कलियां ना कहो हैं ये चमनसाज सुनो क्यों सँवारी है ये चन्दन की चिता मेरे लिये मैं कोई जिसम नहीं हूँ के जलाओगे मुझे राख के साथ बिखर जाऊंगा मैं दुनिया में तुम जहाँ खाओगे ठोकर वहीं पाओगे मुझे हर कदम पर है नए मोड़ का आगाज सुनो ...

खैर सवाल सिर्फ नोबल पुरस्कार का ही नहीं है। देश में भी बिहार चुनाव को लेकर घमासान की स्थिति है। एनडीए की पूरी जिम्मेदारी फिर से नरेंद्र मोदी पर है जबकि नीतीश कुमार के मानसिक स्वास्थ्य पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। दूसरी तरफ मीडिया के एक वर्ग के निरंतर प्रचार के बाद भी इंडिया एलाइंस एकजुट है। लिहाजा इन दोनों पक्षों के बीच प्रशांत किशोर का होना एक नये समीकरण को जन्म दे सकता है।

महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने बर्थडे पर खरीदी 3 प्रॉपटी

इतने करोड़ है कीमत, जानकर उड़ जाएंगे होश

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन का आज 11 अक्टूबर को 83वां जन्मदिन है। इस बार उन्होंने खुद को ही एक खास तोहफा दे दिया है। अमिताभ बच्चन ने एक बार फिर अपनी रियल एस्टेट की पोर्टफोलियो को बढ़ा लिया है। उन्होंने महाराष्ट्र के पॉपुलर कोस्टल डेस्टिनेशन अलीबाग में तीन जुड़े हुए प्लॉट्स खरीदे हैं, जिनकी कीमत कुल 6।6 करोड़ रुपये है। ये प्लॉट्स हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा के लक्जरी प्रोजेक्ट ‘A Alibaug Phase-2’ का हिस्सा हैं। अलीबाग मुंबई के एलीट क्लास का फेवरेट गेटअवे है, जहां शांत समुद्री हवा और लक्जरी लाइफस्टाइल का मजा लिया जा सकता है। प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, इन तीन प्लॉट्स का कुल एरिया 9.557 स्क्वायर फीट है। प्लॉट नंबर 96, 97 और 98 हैं, जो HOABL Landbuild Pvt Ltd से खरीदे गए हैं। इनकी अलग-अलग वल्यू इस तरह है - पहला प्लॉट 2।78 करोड़, दूसरा 1।92 करोड़ और तीसरा 1।88 करोड़ रुपये। अमिताभ ने इन डीलर्स के लिए 39।58 लाख रुपये का स्टैप ड्यूटी चुकाया और 90,000 रुपये का रजिस्ट्रेशन फीस दिया। ये ट्रांजेक्शन 7 अक्टूबर 2025 को रजिस्टर हुए हैं। यह अमिताभ का अलीबाग में पहला निवेश नहीं है। अप्रैल 2024 में उन्होंने इसी प्रोजेक्ट के फर्स्ट फेज में 10,000 स्क्वायर फीट का एक प्लॉट 10 करोड़ रुपये में खरीदा था। HoABL का यह 20



एकड़ का प्लॉट डेवलपमेंट 2023 में लॉन्च हुआ था, जो कोस्टल टाउन में प्रीमियम सेकंड होम्स के लिए बनाया गया है। हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा 2020 में शुरू हुआ था और अब भारत के लक्जरी लैंड डेवलपमेंट में बड़ा नाम बन चुका है। इसके प्रोजेक्ट्स अलीबाग, अयोध्या, गोवा और दूसरे प्राइम जगहों पर हैं, जहां गेटेड प्लॉट्स कम्युनिटीज बनाई जाती हैं। ये हाई-एंड बायर्स के लिए हैं, जो इनवेस्टमेंट में ब्रेड रियल एस्टेट चाहते हैं। अलीबाग साउथ मुंबई से रोड से करीब तीन घंटे या रो-रो फेरी से एक घंटे से कम की दूरी पर है। मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक (MTHL) के खुलने से यहां प्रॉपर्टी की डिमांड और बढ़ गई है। अब यह सेकंड होम डेस्टिनेशन के तौर पर टॉप चॉइस बन गया है। सैलिडिटी और इनवेस्टर्स दोनों इसे पसंद कर रहे हैं, जो शहर के पास ही व्हाइट लक्जरी चाहते हैं। कई बड़े डेवलपर्स भी अलीबाग पर दांव लगा रहे हैं। ईमार इंडिया 25 एकड़ में 84 विलास बनाने जा रहा है, जिनकी कीमत 9 से 15 करोड़ तक होगी। ओबेरॉय रियल्टी ने 81 एकड़ खरीदे हैं, जहां लक्जरी होटल और ब्रांडेड विलास बनेंगे। हिरणदानी कम्युनिटीज ने हाल ही में ह्यहिरणदानी सैंड्स लॉन्च किया, जो 225 एकड़ का इंटिग्रेटेड टाउनशिप है और इसका डेवलपमेंट वल्यू 17,000 करोड़ रुपये है। अमिताभ बच्चन अपनी बिजनेस सेंस के लिए मशहूर हैं। वे लगातार प्रॉपर्टी इनवेस्टमेंट डाइवर्सिफाई करते रहते हैं। जनवरी 2025 में उन्होंने मुंबई के अधिरी में एक डुप्लेक्स 83 करोड़ में बेचा था। एक साल पहले अयोध्या में HoABL के ‘द सरयू’ प्रोजेक्ट के तहत 14।5 करोड़ का लैंड खरीदा था। बच्चन परिवार के पास जूहू में कई बंगले हैं , प्रतीक्षा, जनक, वत्सा और अम्मू, जिनका इमोशनल और हिस्टोरिकल वल्यू बहुत ज्यादा है। हाल ही में कार्तिक आर्यन ने अलीबाग के शेटो डे अलीबाग में 2,000 वर्ग फुट का प्लॉट 2 करोड़ रुपये में खरीदा था और कृति सेनन ने भी सोल डे अलीबाग में 2,000 वर्ग फुट का प्लॉट लिया हुआ है। इसके अलावा विराट कोहली और अनुष्का शर्मा (सरेन हेवन), दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह, अनीता श्रॉफ अदजानिया, सुहाभा खान और राहुल खन्ना का प्लॉट यहां पर है।

दीपावली

दीपावली के आने की जितनी खुशी होती है, दीपावली के नजदीक आते ही जान सिकुड़ने लगती है। घर का सर्वसम्मत और निर्निवाद मुखिया होने के बावजूद मेरी स्थिति अल्पमत सरकार के मुखिया जैसी हो जाती है। यह भी सच है कि मुझे मुखिया पद से अपदस्थ किए जाने का कोई खतरा नहीं है और न ही किसी की ओर से अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने की सम्भावना है लेकिन सभी मेरी ओर अजीब सी ललचाई नजरों से देखने लगते हैं जैसे सरकार के आखिरी साल में मंत्री पद पाने के लिए विधायक हाई कमान की ओर ताकते पाए जाते हैं। दस दिन बाद ही दीपावली थी। हर दिन की तरह उस दिन भी मैं सुबह की चाय मिलने की प्रतीक्षा में था कि छोटी बेटी चाय के साथ दो टोस्ट लेकर आ गई। मैं चौंका और पूरब की तरफ देख कर कर्मफं किया कि सूरज अपनी निर्धारित दिशा से ही निकला है या नहीं। बेटी जो छुछुड़ी के दिन दस बजे से पहले नहीं उठती है आज छह बजे चाय के साथ हाजिर है, यह तो गजब हो गया। मैंने कप उठाया और सिप लेने जा ही रहा था कि वह बगल में बैठ

गई और बहुत प्यार से बोली, ‘पापा, कल का पेपर नहीं देखा आपने, ट्रिपल कैमरे वाले स्मार्टफोन पर तीन माह का रिचार्ज फ्री और पांच सी रुपए छूट का ऑफर चल रहा है।’ ‘देखा तो था . . . पर मुझे नए मोबाइल की जरूरत नहीं है अभी,’ मैंने चाय का सिप लेते हुए कहा। ‘पापा, आप भी . . . मैं आपकी नहीं अपनी बात कर रही हूँ। मैं कब से पुराने वर्सन वाले मोबाइल से काम चला रही हूँ, सेल्फी तक सही नहीं आती उससे। मुझे ये वाला मोबाइल चाहिए इस दीवाली पर, पुराना स्मार्टफोन मम्मी को दे दूंगी, इसी बहाने वह भी स्मार्ट हो जाएंगी,’ बेटी ने लड़ियाते हुए अपना निर्णय सुना दिया। मुझे एकाएक समझ में नहीं आया कि बेटी को क्या कहूँ? सुबह से लेकर देर रात तक अथक रूप से व्यस्त रहकर सबका काम समय पर करने वाली मां, बेटी को स्मार्ट नहीं लग रही है। मां को स्मार्ट होने के लिए पुराने फोन की जरूरत है। मतलब व्यक्ति के पास स्मार्टफोन नहीं तो वह स्मार्ट नहीं। मैं सोच ही रहा था कि कुलदीपक जी प्रकट हो गए, यह उस सुबह का दूसरा आश्चर्य था। वह भी स्नेह जताते हुए बोले, ‘पापा पिछली दीवाली पर आपने लैपटॉप लेने जा ही रहा था कि वह बगल में बैठ

लूँ, स्कूटी से कॉलेज जाने पर निगेटिव फीलिंग आती है, दोस्त लोग अजीब निगाह से देखते हैं, बैठने से कतराते हैं। इस बार 150 सीसी बाइक के साथ फ्री म्यूजिक सिस्टम का ऑफर भी है, घर में म्यूजिक सिस्टम है भी नहीं . . . बहुत बढ़िया मौका है पापा। मुख्यमंत्री ने भी इस तरह सैलरी दीपावली से पहले देने की घोषणा कर दी है . . . उन्हें भी फिफ्ट है कि बच्चों की दीपावली अच्छे से मने . . . तो फिर उन समझूँ मैं!’ ‘कल मंजरी ने मुझे मोटी कह कर छोड़ा था, आप बताइए, क्या मैं सच मैं मोटी लगती हूँ? यदि आप मेरे मन का ही दिलावा चाहते हैं तो मुझे इलिप्टिकल एक्ससाइज मशीन दिलवा दीजिए। मैंने पता किया था उस पर फ्री टमी-ट्रिप्पर का ऑफर भी है, उसे आप ले लेना पापा . . . आपका पेट भी कितना बाहर निकल आया है पापा, आप अपना जरा भी ध्यान नहीं रखते।’ बड़ी बेटी का कंसन और दरियादिली देख कर मेरा मन भर आया। तभी किचन से हाथ पोंछते हुए श्रीमती जी का प्रवेश हुआ। उन्हें देखते ही तीनों एक साथ बोल पड़े, ‘आप भी बता दो मम्मी, इस दीपावली पर क्या चाहिए आपको . . . पापा आज बहुत अच्छे मूड में हैं।’ ‘मुझे अपने लिए कुछ नहीं चाहिए . . . मैं



तो अपने सीरियल इस पुराने टीवी में ही देख लेती हूँ पर जब ये क्रिकेट मैच देखते हुए नाक-भौं सिकोड़ते हैं तो मुझे अच्छा नहीं लगता। ब्यालीस ईश्वर का एलर्इडी टीवी ले लेते हैं इस बार . . . ऑफर भी अच्छा है, चालीस हजार से ऊपर की खरीद पर एक ग्राम का लक्ष्मी-गणेश वाला सोने का सिक्का फ्री। हमें पूजा के लिए लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां अलग से नहीं खरीदनी पड़ेंगी।’ मैंने किसी तरह स्वयं को व्यवस्थित किया है, जैसे-जैसे दिन बीतेगे तो और अच्छे जानकारी कैसे मिली?’ ‘पापा, ‘आपको इन ऑफर्स की जानकारी कैसे मिली?’ ‘क्या पापा आप भी,’ छोटी बेटी ने मुझे इस तरह देखा जैसे मैंने कोई बेवकूफी वाली बात कह दी हो। ‘पापा, अखबार से मिलती है और कहां से, स बड़ी बेटी ने बात संभालते हुए कहा, ‘आजकल तो अखबार में ऑफर ही

त्योहारों का सेल्फी ड्रामा



डॉ. प्रियंका सौरभ

त्योहार अब दिल से नहीं, डिस्प्ले से मनाए जाते हैं हम अब त्योहारों से ज्यादा अपनी तस्वीरें मना रहे हैं। अब त्योहार पूजा, मिलन और आत्मिक उल्लास का नहीं, बल्कि ‘कंटेंट’ का मौसम बन गए हैं। दीपक की लौ से ज्यादा रोशनी अब मोबाइल की फ्लैश में दिखती है। भक्ति, व्रत और परंपराएँ अब फिल्टर और फ्रेम में सिमट गई हैं। लोग ‘सेल्फी विद गणेश’, ‘करवा चौथ वाइब्स’ और ‘भाई दूज मोमेंट्स’ जैसे टैग से उत्सव मनाते हैं। सच्ची आस्था और दिखावे के बीच की यह डिजिटल खाई हमारी आत्मा को धीरे-धीरे खोखला कर रही है। यह सवाल अब जरूरी है – क्या हम त्योहार मना रहे हैं या दिखा रहे हैं? त्योहार हमारे समाज की आत्मा होते हैं – वह समय जब इंसान

ईश्वर, प्रकृति और अपने संबंधों के प्रति आभार व्यक्त करता है। लेकिन अब हर त्योहार के साथ एक नया किरदार जुड़ गया है – मोबाइल कैमरा। जैसे ही दीपक जलता है, आरती की थाली घूमती है या राखी बंधती है, पहला सवाल यही होता है – ‘फोटो ली क्या?’ पहले पूजा पूरी होती थी, फिर प्रसाद बांटा जाता था; अब पहले स्टोरी लगती है, फिर पूजा होती है। यह वही भारत है जहां कभी ‘मन का उत्सव’ मनाया जाता था, आज वही ‘मीडिया का उत्सव’ बन गया है। दीपावली अब दीपों की नहीं, सजावट की पोस्टों की रात है। घरों की सफाई से ज्यादा लोग कैमरे का कोण सुधारने में व्यस्त रहते हैं। माता लक्ष्मी की प्रतिमा की पूजा से पहले ‘बूमरैंग’ बनता है, और पटाखों से पहले ‘कैप्शन’ तय होता है – #दीवालीकीवाइब्स #परिवारकाप्यार। ऐसा लगता है मानो हर व्यक्ति का त्योहार सोशल मीडिया पर दिखना चाहिए, वरना वह अधूरा है। यह डिजिटल प्रतिस्पर्धा अब भक्ति से ज्यादा

‘लाइक’ का खेल बन चुकी है। करवा चौथ जैसे व्रतों का जो भाव था – प्रेम, समर्पण और आशीर्वाद – वह अब फोटो खिंचवाने और छूट वाले ऑफर में बंट गया है। ‘सेल्फी विद सासू माँ’, ‘उपवास वाला चेहरा’ और ‘चांद के साथ तस्वीर’ जैसी प्रवृत्तियां अब त्योहार की नई पहचान हैं। पहले चांद देखने का रोमांच था, अब ‘क्लिक करने’ का जुनून है। एक जमाना था जब महिलाएँ साड़ी पहनती थीं पूजा के भाव से; आज वही साड़ी ब्रांड को टैग करने का साधन बन गई है। त्योहार अब प्रेम का नहीं, प्रदर्शन का पर्व बन गया है। होली भी अब रंगों का नहीं, रंगीन दिखावे का खेल है। पहले जो चेहरे रंगों में डूबे होते थे, अब वे फिल्टर में धुल चुके हैं। लोग अब एक-दूसरे को रंग लगाने से ज्यादा डरते हैं कि ‘कपड़े खराब हो जाएंगे, फोटो में अच्छा नहीं लगूंगा।’ ‘सेल्फी विद गुलाल’ में रंग तो हैं, पर अपनापन नहीं। वह होली अब मन की नहीं, मेकअप की होली



बन गई है। ईद, क्रिसमस, नवरात्र – हर धर्म का उत्सव अब एक ही रंग में रंग गया है – डिजिटल दिखावे का रंग। मस्जिद या गिरजाघर के सामने मुस्कुराती तस्वीरें, थाली में सजे पकवानों के फोटो, और शीर्षक – ‘प्यार और शांति बाँट रहे हैं।’ पर क्या सचमुच प्यार और शांति फैल रही है, या बस दिखावा? त्योहार अब इंसान को जोड़ने की बजाय, तुलना और प्रतिस्पर्धा का कारण बनते जा रहे हैं। ‘उसकी लाइटिंग ज्यादा सुंदर’, ‘उसका मंडप बड़ा’, ‘उसके पास महंगी सजावट’ – यह सब उस आत्मीयता को निगल गया है जो कभी परिवारों की पहचान थी। यह सेल्फी नाटक इतना गहरा हो चुका है कि अब भक्ति का भी अभिनय होता है। मंदिर में जाते ही लोग पहले फोन निकालते हैं, फिर हाथ जोड़ते हैं। आरती लाइव होती है, पर मन ऑफलाइन। दान सोशल मीडिया पर दिखाया जाता है, ताकि दूसरों को पता चले कि ‘हम भी नेक हैं’। भक्ति निजी नहीं रही, सार्वजनिक प्रदर्शन बन गई है। आस्था अब आत्मा से नहीं, प्रसारण से चलती है।

मनोविज्ञान की दृष्टि से देखें तो यह ‘डिजिटल आस्था’ एक गहरी बेचैनी का परिणाम है। इंसान अब अपने हर अनुभव का प्रमाण सोशल मीडिया से चाहता है। उसे लगता है कि अगर कोई चीज कैमरे में नहीं आई तो वह हुई ही नहीं। यही कारण है कि अब त्योहारों में मुस्कान असली नहीं, अभ्यास की हुई होती है। बच्चे तक कैमरे के सामने ‘हैप्पी दिवाली’ बोलना सीख चुके हैं। रिश्तों की गर्माहट अब कैमरे की रेंज में जम गई है। त्योहारों का असली अर्थ था – रुकना, साँस लेना, जुड़ना। अब अर्थ बदल गया है – सजना, पोस्ट करना, भूल जाना। लोगों को यह भी याद नहीं रहता कि त्योहार का मूल कारण क्या था – बस इतना याद रहता है कि किस दिन क्या पोस्ट करना है। यह ‘सेल्फी संस्कृति’ धीरे-धीरे उस आध्यात्मिक गहराई को खा रही है जो भारतीय समाज की पहचान थी। अब त्योहार आत्मा का नहीं, ‘छवि’ का दर्पण बन गए हैं। बाजार ने भी इस प्रवृत्ति को बुनाने

में देर नहीं लगाई। हर त्योहार से पहले ‘सेल्फी पृष्ठभूमि’, ‘फोटो मंच’, ‘डिजिटल सजावट’ और ‘त्योहार संग्रह’ की बाढ़ आ जाती है। पूजा की थाली से ज्यादा महत्व अब पैकेजिंग का हो गया है। त्योहार अब आध्यात्मिक नहीं, ब्रांडेड अवसर बन चुके हैं। दीपावली अब ‘ऑनलाइन खरीदारी पर्व’ है, नवरात्र ‘गरबा नाइट्स प्रायोजित कार्यक्रम’ है, और होली ‘कलर ब्लास्ट आयोजन’ बन चुकी है। जहाँ पहले त्योहार आत्मा को शुद्ध करते थे, अब वह जेब को खाली कर देते हैं। सोशल मीडिया पर दिखावे की इस होड़ ने समाज में एक अजीब-सी भावनात्मक दूरी पैदा कर दी है। लोगों को लगता है कि उन्होंने दूसरों की फोटो देखकर उनसे जुड़ाव बना लिया – जबकि असल में वह जुड़ाव एक भ्रम है। त्योहार जो कभी सबको साथ लाते थे, अब लोगों को अकेला कर रहे हैं। हर कोई अपने फोन में बंद है, दूसरे की मौजूदगी सिर्फ स्क्रीन पर

है। ‘परिवार की फोटो’ तो पूरी है, लेकिन परिवार बिखरा हुआ है। यह सब लिखते हुए एक प्रश्न चुभता है – क्या हम ईश्वर से जुड़ रहे हैं या नेटवर्क सिग्नल से? क्या हमें खुशी मिल रही है या बस ‘प्रतिक्रिया’? कहीं ऐसा तो नहीं कि हमारे त्योहार अब आत्मा से नहीं, कैमरे की चमक से रोशन हो रहे हैं? त्योहारों का असली अर्थ तब लौटोगा जब हम कैमरा नीचे रखकर, किसी के चेहरे पर सच्ची मुस्कान देखेंगे। जब दीया सिर्फ फोटो के लिए नहीं, अंधेरे के लिए जलाना जाएगा। जब करवा चौथ पर फोटो नहीं, साथ बैठकर एक-दूसरे की आंखों में सुकून ढूँढा जाएगा। जब होली पर रंग लगाते वक्त डर नहीं, अपनापन होगा। दिवाला तब लौटेंगे, जब हम दिखावा बंद करेंगे – और महसूस करना शुरू करेंगे। त्योहारों का यह सेल्फी ड्रामा तभी खत्म होगा जब इंसान अपने अंदर झाँककर यह कह सके – ‘मुझे किसी की लाइक नहीं चाहिए, मुझे बस अपने-अपनों की सच्ची मुस्कान चाहिए।’

पाक पर कहर बनकर टूटे आतंकी
पाकिस्तान :खैबर पख्तुनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में शुक्रवार रात को पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) के आतंकियों ने एक बड़े हमले को अंजाम दिया। आतंकियों ने पुलिस ट्रेनिंग सेंटर पर हमला बोल दिया, जिसमें 7 पुलिसकर्मी शहीद हो गए, जबकि सुरक्षाबलों ने 5 हमलावरों को मार गिराया। यह हमला पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक बड़ा झटका है।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स >>

कफ सिरप के नकली होने में उन्नीस बच्चों की मौत
चेन्नई : एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि मध्य प्रदेश में कम से कम 19 बच्चों की मौत से जुड़ी कफ सिरप कंपनी, श्रीसन फार्मास्यूटिकल मैनुफैक्चरर के मालिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पिछले महीने राज्य के छिदवाड़ा शहर में पाँच साल से कम उम्र के सभी बच्चों की मौत हो गई। ये सभी बच्चे, निधनरित सीमा से लगभग 500 गुना ज्यादा मात्रा में जहरीले डायथिलीन ग्लाइकोल युक्त कफ सिरप का सेवन करने के बाद मारे गए। ये सभी मौतें श्रीसन फार्मा के कोलिट्रफ सिरप से जुड़ी थीं, जिस पर पिछले गुरुवार को एक परीक्षण में इस रसायन की मौजूदगी की पुष्टि होने के बाद भारत के कई हिस्सों में प्रतिबंध लगा दिया गया है। सिरप बनाने वाली तमिलनाडु राज्य स्थित कंपनी के मालिक एस. रंगनाथन को बुधवार को चेन्नई में गिरफ्तार किया गया, जहाँ उन्हें छिदवाड़ा ले जाने से पहले अदालत में पेश किया जाएगा। छिदवाड़ा से मिली जानकारी के मुताबिक स्थानीय औषधि अधिकारियों ने दूषित दवाओं के प्रचलन को रोकने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं, कफ सिरप के यादृच्छिक नमूनों की जाँच कर रहे हैं और कोलिट्रफ की बोतलें वापस लाने के लिए घर-घर जाकर संपर्क कर रहे हैं।

संक्षिप्त >> अपडेट्स

सीजेआई पर जुता फेंकने की घटना पर कार्रवाई जारी
नईदिल्ली : सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने गुरुवार को अधिवक्ता राकेश किशोर की अस्थायी सदस्यता समाप्त कर दी, जिन्होंने 6 अक्टूबर को अदालती कार्यवाही के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर जुता फेंका था। एसोसिएशन ने उनके कृत्य को गंभीर कदाचार करार देते हुए उनकी अस्थायी सदस्यता समाप्त कर दी। यह कदम बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) द्वारा 17 वीं अधिकांता को वकालत से निवृत्त करने के आदेश के कुछ दिनों बाद उठाया गया है। किशोर, जिन्हें अपने कृत्य पर कोई पछतावा नहीं था, को बीसीआई ने भारत की किसी भी अदालत, न्यायाधिकरण या प्राधिकरण में पेश होने, पैरवी करने या वकालत करने से भी रोक दिया था। किशोर को एक कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था जिसमें उनसे पूछा गया था कि उनकी कार्रवाई क्यों जारी न रखी जाए, क्योंकि बीसीआई ने कहा था कि उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की जाएगी।

टप ने चीन पर 130 फीसद टैरिफ का एलान किया
वाशिंगटन : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि वह चीन से आने वाले सामानों पर 1 नवंबर या उससे पहले से लागू 30 फीसद टैरिफ के अलावा 100 फीसद टैरिफ लगाएंगे। दोनों देशों के बीच महीनों से चल रहे व्यापार युद्धविराम के बाद यह खतरा और भी बढ़ सकता है। शुक्रवार दोपहर ट्रथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका चीन पर 100 फीसद टैरिफ लगाएगा, जो वर्तमान में चीन द्वारा चुकाए जा रहे किसी भी टैरिफ के अतिरिक्त होगा। उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा, 1 नवंबर को, हम सभी महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर पर निर्यात नियंत्रण लगाएंगे।

युद्धविराम

हजारों लोग गाजा में वापस लौट रहे

►►लोगों की रिहाई के लिए 72 घंटे की अवधि शुरू हो गई है

►►67,000 से ज्यादा फि लिस्तीनी मारे जा चुके हैं

राष्ट्रीय खबर

गाजा: इजराइली सेना ने कहा है कि गाजा में अब युद्धविराम लागू है, क्योंकि उसकी सेनाएँ सरकार द्वारा रातोंरात स्वीकृत समझौते के अनुसार पीछे हट रही हैं। हमला द्वारा बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई के लिए 72 घंटे की अवधि शुरू हो गई है, और इस समझौते के तहत इजराइल में लगभग 2,000 फि लिस्तीनी कैदियों और बंदियों को भी रिहा किया जाएगा। एक टेलीविजन संवोधन में, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पहली बार संकेत दिया कि गाजा में बंधक बनाए गए सभी मृत बंधक वापस नहीं आ सकते हैं। दूसरी तरफ हजारों फि लिस्तीनी



गाजा के दक्षिण से गाजा शहर की ओर पैदल चलते देखे गए हैं। इजराइल रक्षा बलों के एक प्रवक्ता ने कहा कि सैनिक अभी भी गाजा के विभिन्न इलाकों में मौजूद रहेंगे और लोगों को उनके पास जाने से बचने की चेतावनी दी है। एजेंसी के गाजा स्थित एक युवा कार्यक्रम

अधिकारी ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (युएनएफपीए) के सैकड़ों टुक चिकित्सा आपूर्ति और अस्पताल के उपकरणों के साथ गाजा में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं, साथ ही एन्क्लेव में स्वच्छता और प्रजनन स्वास्थ्य की गंभीर स्थिति से

अब हर रिटायर होने वालों को पेंशन मित्र बनाने की अनुमति सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों के लिए जारी दिशा निर्देश

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: केंद्र सरकार के तहत पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने शुक्रवार को कहा कि उसने केंद्र सरकार के अधिकारियों के सेवानिवृत्ति के बकाया भुगतान को समय पर सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देशों को अंतिम रूप दे दिया है, जिसमें प्रत्येक कर्मचारी के लिए एक कल्याण अधिकारी या पेंशन मित्र की नियुक्ति शामिल है। इस अधिकारी को कार्यालय प्रमुख द्वारा नियुक्त किया जाएगा और प्रत्येक सेवानिवृत्त कर्मचारी को फॉर्म भरने और अन्य औपचारिकताओं में सुविधा प्रदान करने के लिए सौंपा जाएगा। यह अधिकारी परिवार पेंशन के दावे को प्रस्तुत करते समय पेंशनभोगी की मृत्यु की स्थिति में आश्रितों को दस्तावेजीकरण और सत्यापन के



लिए हैंड-होल्डिंग (मार्गदर्शन और सहायता) के लिए भी जिम्मेदार होगा। ये दिशानिर्देश केंद्रीय सिविल सेवा कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति के बकाया (पेंशन और पेंशनरी बकाया) के समय पर भुगतान और पेंशन भुगतान आदेश /ई-पीपीओ जारी करने के लिए प्रभावी अंतर-मंत्रालयी सम्न्वय हेतु जारी किए गए हैं। विभाग ने कहा, पीपीओ/ई-पीपीओ जारी करने में देरी को कम करने के लिए सेवानिवृत्ति से पहले सतर्कता मंजूरी पर स्पष्टीकरण जैसे बड़े प्रक्रियात्मक सुधार शामिल

किए गए हैं। इसमें स्पष्ट किया गया है कि सीसीएस (पेंशन) नियम, 2021 के विशिष्ट प्रावधानों के अनुसार, सतर्कता मंजूरी के अभाव में किसी भी प्रशिक्षित केंद्रीय सिविल सेवा कर्मचारियों के अभाव में किसी भी प्रशिक्षित (पेंशन और पेंशनरी बकाया) के समय पर भुगतान और पेंशन भुगतान आदेश /ई-पीपीओ जारी करने के लिए प्रभावी अंतर-मंत्रालयी सम्न्वय हेतु जारी किए गए हैं। विभाग ने कहा, पीपीओ/ई-पीपीओ जारी करने में देरी को कम करने के लिए सेवानिवृत्ति से पहले सतर्कता मंजूरी पर स्पष्टीकरण जैसे बड़े प्रक्रियात्मक सुधार शामिल

कभी दस हजार ईसाइयों का संपन्न शहर हुआ करता था यह इलाका अब एक सदी से भूतिया और वीरान पड़ा है

राष्ट्रीय खबर

कायाकोय, तुर्की: कायाकोय में एक बड़ा और बेहद प्रतिष्ठित स्कूल है। संकरी गलियों हैं, जिनके किनारे घर हैं, जो एक खड़ी घाटी के दोनों ओर ऊपर की ओर जाती हैं। शहर के बीचों-बीच एक प्राचीन फव्वारा है। और कई चर्च भी हैं, जिनमें से एक चर्च से नीले एजियन सागर का लाखों डॉलर का नजारा दिखाई देता है। लेकिन, पिछले 100 सालों में ज्यादातर समय से यहाँ कोई नहीं आया। दक्षिण-पश्चिमी तुर्की के मुगला प्रांत में स्थित कायाकोय, सचमुच एक भूतिया शहर है। अपने निवासियों द्वारा वीरान और अतीत से पिरा हुआ। पहाड़ियों पर बिखरी अनगिनत ढहती इमारतें, जो धीरे-धीरे हरियाली में समा रही हैं, और लुप्त हो चुके जीवन के अंतहीन दृश्यों के साथ, यह



घूमने के लिए एक आकर्षक और बेहद खूबसूरत जगह भी है। गर्मियों में, साफ आसमान और चिलचिलाती धूप में, यह काफी डरावना होता है। ठंडे मौसम में, पहाड़ों या समुद्री कोहरे में लिपटा हुआ, यह और भी भयावह हो जाता है। लगभग एक सदी पहले, कायाकोय, या लेविसी, जैसा कि इसे जाना जाता था, कम से कम 10,000 ग्रीक ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों का एक हलचल भरा शहर था, जिनमें से कई कारीगर थे और इस क्षेत्र के मुस्लिम तुर्की किसानों के साथ शांतिपूर्वक रहते थे।

तनाव

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर तनाव में वृद्धि

धमाकों की खबर ने दोनों तरफ सतर्कता फैलायी

►►पाकिस्तान ने उम्मीद की थी कि तालिबान टीटीपी पर कार्रवाई करेगा

राष्ट्रीय खबर

काबुल: खबर के अनुसार, तनाव तब नाटकीय रूप से बढ़ गया जब काबुल में सिलसिलेवार धमाकों की खबरें आईं। रिपोट्स और चश्मदीदों के अनुसार, ये विस्फोट सीमा पार से किए गए हवाई हमलों का परिणाम हो सकते हैं। कुछ मीडिया रिपोट्स में संकेत दिया कि पाकिस्तान ने टीटीपी के ठिकानों को निशाना बनाते हुए काबुल में हवाई हमला किया, जो क्षेत्रीय तनाव में एक बड़ी वृद्धि है। कुछ स्थानीय रिपोट्स के मुताबिक, यह हवाई हमला कश्गि तौर पर टीटीपी प्रमुख नूर वली महसूद को



निशाना बनाने के उद्देश्य से किया गया था, हालांकि पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की है। यह हमला पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा नेशनल असंबली में दिए गए एक तीखे बयान के कुछ ही घंटों बाद हुआ। आसिफ ने अफगानिस्तान

को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा था, बस, अब बहुत हो गया। हमारा धैर्य समाप्त हो गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान अब अपनी धरती पर आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा और अफगानिस्तान को टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई करनी होगी,

इजरायली सेना अब गाजा से पीछे हट रही है

निपटने के लिए हजारों किट भी हैं। मध्य गाजा के देहर अल-बलाह में वर्तमान में कार्यरत अमनी हानिया ने कहा कि एन्क्लेव में महिलाओं और लड़कियों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन किट और प्रसवोत्तर किट जैसी चिकित्सा किटों का वितरण आवश्यक है। इजराइल की सहायता नाकाबंदी ने महिलाओं को सैनिटरी पैड, टैम्पोन और साबुन जैसी आवश्यक आपूर्ति से वंचित कर दिया है, और स्वच्छ पानी की पहुँच अभी भी दुर्लभ है। तीन बच्चों की माँ हानिया, जो युद्ध के दौरान सात बार विस्थापित हुई हैं, ने लंबे समय से प्रतीक्षित युद्धविराम पर राहत व्यक्त की। इजराइली सैनिकों की वापसी के साथ ही हजारों फि लिस्तीनी उत्तरी गाजा में अपने घरों को लौटने लगे हैं। लेकिन युद्ध से व्यापक विनाश अभी भी जारी है। राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि उन्हें लगता है कि गाजा शांति योजना सफल रहेगी क्योंकि संघर्ष में शामिल और प्रभावित देश लड़ाई से थक चुके हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, दो साल पहले हमला के नेतृत्व वाले हमलों के बाद शुरू हुए युद्ध के बाद से 67,000 से ज्यादा फि लिस्तीनी मारे जा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत ने आज कहा कि शांति योजना के पहले चरण में बंधकों और फि लिस्तीनी कैदियों की प्रत्याशित रिहाई आसान हिस्सा है, क्योंकि यह बहुत स्पष्ट है कि हम क्या प्राप्त कर रहे हैं, बदले में हम क्या दे रहे हैं। लेकिन, इसका मतलब है कि ज्यादा जटिल हिस्सा आगे आएगा, क्योंकि दोनों पक्ष दूसरे चरण को लागू करने के तरीके पर विचार कर रहे हैं।

हैदराबाद हवाई अड्डे पर कार्गो दुलाई का श्रेष्ठ प्रदर्शन हुआ विशालकाय एंटोनोव एन-124 कार्गो विमान उतरा

राष्ट्रीय खबर

हैदराबाद: राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने हाल ही में दुनिया के सबसे बड़े मालवाहक विमानों में से एक,



एंटोनोव एन-124 रूसलान का स्वागत किया। इस लैंडिंग ने हवाई अड्डे की सबसे सुनौतीपूर्ण एयरलिफ्ट (विमान द्वारा माल दुलाई) ऑपरेशनों को संभालने की क्षमता का प्रदर्शन किया है। चार टोबोफैन इंजनों द्वारा संचालित और अपनी लंबी दूरी की क्षमताओं के लिए मशहूर, एंटोनोव एन-124 को सैन्य साजो-सामान (हार्डवेयर) और मानवीय सहायता सहित, विशाल और जटिल (कॉम्प्लेक्स) भार को ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अपनी असाधारण वहन क्षमता के कारण वह विमान, विभिन्न देशों की सेनाओं, आपदा राहत एजेंसियों

और विशेष परियोजनाओं के लिए एक महत्वपूर्ण संपति बना हुआ है। विमानन उत्साही लोगों ने इस विशालकाय विमान को आर्जीआईएफ़ के रनवे पर उतरते हुए देखकर एक शानदार क्षण का अनुभव किया। इस लैंडिंग ने अंतरराष्ट्रीय कार्गो आवाजाही के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में हैदराबाद की स्थिति की एक बार फिर पुष्टि कर दी है। इस तरह के विशेष विमानों की सफल लैंडिंग यह दशाती है कि हैदराबाद हवाई अड्डा बड़े पैमाने पर लॉजिस्टिक्स और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित है।

श्री मुकेश अंबानी ने चारधाम की यात्रा व्यवस्थाओं को सराहा : हेमंत द्विवेदी



सुव्यवस्थित ढंग से संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि धामी जी की सरकार ने यात्रा पड़ावों पर यात्रियों की सुविधाओं के लिए काफी बेहतरीन व्यवस्था की है। इस तरह की सुंदर और सुस्थि व्यवस्था दूसरे धार्मिक स्थलों पर कम ही देखने को मिलती है। श्री अंबानी ने कहा कि वे लगभग 20 सालों से उत्तराखंड आ रहे हैं लेकिन हमानन जैसी व्यवस्था पहले कभी भी देखने को नहीं

मिली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अगुआई में यहां वास्तव में ऐतिहासिक काम हुए हैं। श्री अंबानी ने कहा कि आगामी 10 सालों में उत्तराखंड में तीर्थ यात्रियों की संख्या काफी बढ़ेगी। उत्तराखंड ने मुख्यमंत्री पुष्करसिंह धामी के नेतृत्व में अप्रत्याशित कामयाबी हासिल की है जो अपने आप में रिकार्ड है। उन्होंने कहा कि अभी हाल के दिनों में उत्तराखंड में बादल फटे। जान- माल का काफी नुकसान हुआ है। हमारी संवेदनाएं हैं। मैं और रिलायंस फाउंडेशन जब भी उत्तराखंड को किसी भी तरह की आवश्यकता होगी साथ खड़े रहेंगे। श्री अंबानी ने बीकेटीसी के अध्यक्ष श्री हेमंत द्विवेदी को बताया कि लाखों की संख्या में तीर्थ यात्री इन धामों में पहुंचते हैं लेकिन किसी को भी कोई दिक्कत नहीं होती है।

पेज एक का शेष

प्रधानमंत्री मोदी 25 नवंबर

जिसके बाद मंदिर को भत्कों के लिए खोल दिया गया था। अब, 2025 में, मंदिर का संपूर्ण निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण को पार कर चुका है। वर्तमान में, मंदिर के दूसरे तल पर विभिन्न भाषाओं में रामायण की कथा को कलाकृतियों के माध्यम से खूबसूरती से उकेरा गया है, जो दर्शनार्थियों को भगवान राम के जीवन और उनके आदर्शों से जोड़ेगा। इसके अतिरिक्त, मुख्य मंदिर के चारों ओर कुल 14 छोटे मंदिरों का निर्माण भी सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। इन सभी उप-मंदिरों का निर्माण कार्य भी संपन्न हो गया है, जिससे यह पूरा परिसर एक भव्य तीर्थ केंद्र के रूप में विकसित हो गया है। मंदिर परिसर को जल्द ही पूर्ण रूप से दर्शनार्थियों के लिए खोल दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा वालीस

पाउडर संयंत्र और तेजपुर में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत एक मछली आहार संयंत्र शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान, मोदी ने राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत प्रमाणित किसानों, मैत्री तकनीशियनों और प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (पीएमकेएसके) तथा सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) में परिवर्तित प्राथमिक कृषि सहकारी ऋण समितियों (पीएसपीएस) को प्रमाण पत्र वितरित किए। मोदी ने दलहन की खेती में लगे किसानों से भी बातचीत की, जिन्हें कृषि, पशुपालन और मत्स्य पालन में मूल्य-श्रृंखला-आधारित ढंष्टिकोण स्थापित करने के उद्देश्य से विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है। इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह और कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी उपस्थित थे।

पाक अधिकृत कश्मीर में बड़ा

खोलने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। तालिबान शासित अफगानिस्तान के साथ पूर्ण राजनयिक संबंधों की बहाली की घोषणा करते हुए, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, एक करीबी पड़ोसी और अफगानिस्तान के लोगों के शुभचिंतक होने के नाते, भारत आपके विकास और प्रगति में गहरी रूचि रखता है। भारत ने काबुल स्थित अपने मिशन का विस्तार करके उसे दूतावास बनाने की भी घोषणा की। इस बीच, मुताकी ने भारत से कहा है कि अफगानिस्तान अपनी जमीन का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए कभी नहीं होने देगा। उन्होंने भूकंप और कोविड-19 महामारी के दौरान भी भारत की सहायता के लिए आभार व्यक्त किया। अपनी भारत यात्रा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, उन्होंने सहयोग और संपर्क बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, अफगानिस्तान भारत को अपना घनिष्ठ मित्र मानता है और आपसी सम्मान, व्यापार और लोगों के बीच आपसी संबंधों पर आधारित संबंध चाहता है। हम अपने संबंधों को और मजबूत करने के लिए तैयार हैं।

आनन फानन में रोहतक एसपी

कार्रवाई कुमार के परिवार के सदस्यों द्वारा बनाए गए दबाव के बाद की गई है, जिसमें अधिकारी द्वारा छोड़े गए 'अंतिम नोट' में नामित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। इस नोट में उन्होंने बिजारनिया और हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर सहित आठ वरिष्ठ पुलिसकर्मियों पर जाति-आधारित भेदभाव, लक्षित मानसिक उत्पीड़न, सार्वजनिक अपमान और अत्याचार का आरोप लगाया था। 2021 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी कुमार (50) ने मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित सेक्टर 11 स्थित अपने आवास पर कथित तौर पर खुद को गोली मार ली। अपने आत्महत्या नोट में, कुमार ने आरोप लगाया, हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर, रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारनिया को उकसाकर मुझे परेशान कर रहे हैं ताकि वे अपने कार्यों और निष्क्रियताओं से मेरा नाम और प्रतिष्ठा धूमिल कर सकें। उन्होंने बिजारनिया के खिलाफ डीजीपी को मेरे द्वारा भेजी गई विशिष्ट रिपोर्टों पर कार्रवाई नहीं की, जिससे उन्हें मेरी प्रतिष्ठा धूमिल करने, अधिकार क्षेत्र से बाहर के आदेश देने आदि का साहस मिला। सूत्रों के अनुसार, हरियाणा सरकार परिवार को पोस्टमार्टम और दाह संस्कार के लिए मनाने की कोशिश कर रही है। कुमार हाल ही में रोहतक के सुनारिया स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र (पीटीसी) में आईजी के पद पर तैनात थे।

अदालती कमरे से निकल कर न्याय

बल्कि इस बात से मापी जाती है कि क्या न्याय, सम्मान और अवसर हर समुदाय में समान रूप से वितरित किए जा रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने क्षेत्र के सामने मौजूद कुछ गंभीर सामाजिक मुद्दों का जिक्र किया, जिनमें बाल विवाह, नशीली दवाओं का दुरुपयोग, आदिवासी समुदायों का विस्थापन, चाय बगान श्रमिकों की दुर्दशा और बढ़ता मानसिक स्वास्थ्य संकट शामिल हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने हाल ही में शुरू की गई नालसा वीर परिवार सहायता योजना 2025 की भी घोषणा की, जो कठिन सीमावर्ती क्षेत्रों में सेवारत रक्षा कर्मियों के परिवारों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करती है।

अब विकिस्टा जगत में दवा

परिणामस्वरूप कम अवॉल्रित उत्परिवर्तन के साथ कहीं अधिक सटीक संपादन होता है। एमआईटी टीम ने अपनी परिष्कृत विधि का उपयोग करते हुए, सबसे सामान्य संपादन प्रकार के लिए प्राइम एडिटिंग में त्रुटियों की दर को लगभग सात में से एक संपादन से घटाकर लगभग 101 में से एक कर दिया है। एक अधिक सटीक संपादन मोड में, यह सुधार 122 में से एक से बढ़कर 543 में से एक हो गया। एमआईटी के प्रोफेसर रॉबर्ट लैंगर, जो अध्ययन के एक अन्य वरिष्ठ लेखक हैं, का कहना है कि किसी भी दवा के लिए, आप कुछ ऐसा चाहते हैं जो प्रभावी हो, लेकिन जिसके दुष्प्रभाव यथासंभव कम हों। प्राइम एडिटिंग, क्रिस्पर नामक तकनीक का एक नया और बेहतर संस्करण है, जिसे 2019 में एमआईटी और हार्वर्ड में पेश किया गया था। क्रिस्पर के विपरीत, प्राइम एडिटिंग लक्ष्य डीएनए में दोहरे-स्ट्रैंड कट की आवश्यकता के बिना काम करता है। इसके बजाय, यह संशोधित केस 9 एंजाइम का उपयोग करता है जो केवल पूरक स्ट्रैंड्स में से एक को काटता है। यह डीएनए में एक छोटा सा फ्लैप खोलता है जहाँ एक नए, सही सीक्वेंस को डाला जा सकता है, जो एक आरएनए टेम्पलेट द्वारा निर्देशित होता है।

एक की मौत और तीस के घायल

ओरिवेल तिमुंग, की मौत हो गई, जो असम के तप्त गांव का निवासी था। इस झड़प में 30 से अधिक लोग घायल हुए, जिनमें कुछ सुरक्षाकर्मी भी शामिल थे। घटना के बाद, मेघालय सरकार ने पश्चिमी जर्जांतिया हिस्स के लापांगप गांव में रात्रि कर्फ्यू लगा दिया और क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया। असम और मेघालय के बीच 884.9 किलोमीटर लंबी अंतर-राज्यीय सीमा पर 12 क्षेत्रों को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। लापांगप उन छह शेष विवादित क्षेत्रों में से एक है, जिनका समाधान अभी बाकी है। इस जानलेवा झड़प के बाद, मेघालय के मुख्यमंत्री और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के नेता कॉर्नराड के. संगमा ने लोगों से संवेदनशील सीमा क्षेत्रों में शांति बनाए रखने और हिंसा से बचने का आग्रह किया। मणिपुर की यात्रा पर गए संगमा ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और इसके लिए चल रहे सीमा विवाद को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापांगप क्षेत्र अभी भी एक विवादित क्षेत्र बना हुआ है और दोनों राज्यों के बीच बातचीत जारी है। उन्होंने स्वीकार किया कि दोनों राज्यों के किसान पारंपरिक रूप से विवादित क्षेत्र में फसलें उगाते रहे हैं, लेकिन कटाई के मौसम में तनाव बढ़ जाता है। मुख्यमंत्री ने सभी से आग्रह किया कि वे हिंसा का सहारा न लें और शांतिपूर्ण बातचीत पर ध्यान केंद्रित करें।

श्रद्धांजलि घायलों जवानों में विधायक का भाई भी आईडी ब्लास्ट में शहीद हुए जवान को सीआरपीएफ मुख्यालय में दी गई अंतिम सलामी

- ▶सीआरपीएफ 60 बटालियन जवान
 - ▶घायल में विधायक का भाई
 - ▶समठा इलाके में विस्फोट
- राष्ट्रीय खबर

रांची: चाईबासा जिले के जराईकेला थाना क्षेत्र के समठा इलाके में शुक्रवार की शाम हुए भीषण आईडी विस्फोट में शहीद हुए सीआरपीएफ 60 बटालियन के हेड कॉन्स्टेबल महेंद्र लश्कर को शनिवार को रांची के धुर्वा स्थित सीआरपीएफ मुख्यालय में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम सलामी दी गई सीआरपीएफ और राज्य पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी इस श्रद्धांजलि समारोह में शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार शाम सारंडा के बीहड़ जंगलों में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों पर घात लगाकर नक्सलियों ने आईडी ब्लास्ट किया था। इस विस्फोट में तीन जवान गंभीर रूप से घायल हुए थे जिनमें इंस्पेक्टर के। के। मिश्रा, सब-इंस्पेक्टर रामकृष्ण गागराई और हेड कॉन्स्टेबल महेंद्र लश्कर शामिल थे। सभी को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान शनिवार की सुबह हेड कॉन्स्टेबल महेंद्र लश्कर ने दम तोड़ दिया और वह शहीद हो गए। घायल सब-इंस्पेक्टर रामकृष्ण गागराई खरसावां के विधायक दशरथ गागराई के भाई हैं, जबकि इंस्पेक्टर के। के। मिश्रा को बेहतर इलाज के लिए राउरकेला के अपोलो अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है। सीआरपीएफ के अधिकारियों के अनुसार, यह विस्फोट उस समय हुआ जब सुरक्षा बलों की टीम नियमित सर्च अभियान पर निकली हुई थी। नक्सलियों ने पहले से घात लगाकर बलों की गश्ती टीम को निशाना बनाया और जोरदार विस्फोट कर दिया। विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास के इलाके में मलबा फैल गया और तीन जवान मौके पर ही गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल जवानों को हेलिकॉप्टर से निकालकर नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। सीआरपीएफ के एक अधिकारी ने बताया कि शहीद महेंद्र लश्कर का पार्थिव शरीर धुर्वा मुख्यालय लाया गया है, जहां श्रद्धांजलि देने के बाद उनके शव को उनके पैतृक गांव भेजा जाएगा। इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके में सघन



हेड कांस्टेबल को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि, राज्यपाल हुए शामिल

रांची: चाईबासा के सारंडा जंगल में नक्सलियों द्वारा किए गए आईडी विस्फोट में वीरगति को प्राप्त हुए सीआरपीएफ के हेड कांस्टेबल महेंद्र लश्कर को रांची स्थित सीआरपीएफ कैंप में शनिवार को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। शनिवार को धुर्वा, रांची स्थित सीआरपीएफ की 133वीं बटालियन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने शहीद के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें अंतिम सलामी दी। उनके साथ केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, झारखंड के मुख्य सचिव, डीजीपी, आईजी सीआरपीएफ सहित कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे और उन्होंने भी शहीद जवान को श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल संतोष गंगवार ने महेंद्र लश्कर के बलिदान को याद करते हुए कहा कि हमारे सुरक्षा बलों के अद्वितीय योगदान को राष्ट्र कभी भुला नहीं सकता है। पुलिस मुख्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना शुक्रवार की रात चाईबासा के मनोहरपुर प्रखंड के सारंडा जंगल में हुई। इनामी नक्सलियों के खिलाफ चल रहे एक सघन अभियान के दौरान नक्सलियों ने आईडी विस्फोट किया, जिसकी चपेट में आकर सीआरपीएफ 60 बटालियन के इंस्पेक्टर सहित तीन जवान घायल हो गए थे। असम के



नौगांव निवासी हेड कांस्टेबल महेंद्र लश्कर गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिनका इलाज राउरकेला के अस्पताल में चल रहा था। इलाज के दौरान ही उन्होंने वीरगति प्राप्त की। शहीद महेंद्र लश्कर का पार्थिव शरीर श्रद्धांजलि के बाद उनके पैतृक राज्य असम भेजा जाएगा, जहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।



लगातार हो रहे इन हमलों से सुरक्षा बलों ने रणनीति में बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है। सीआरपीएफ ने कहा है कि नक्सलियों की इस कायराना

राष्ट्रीय खबर

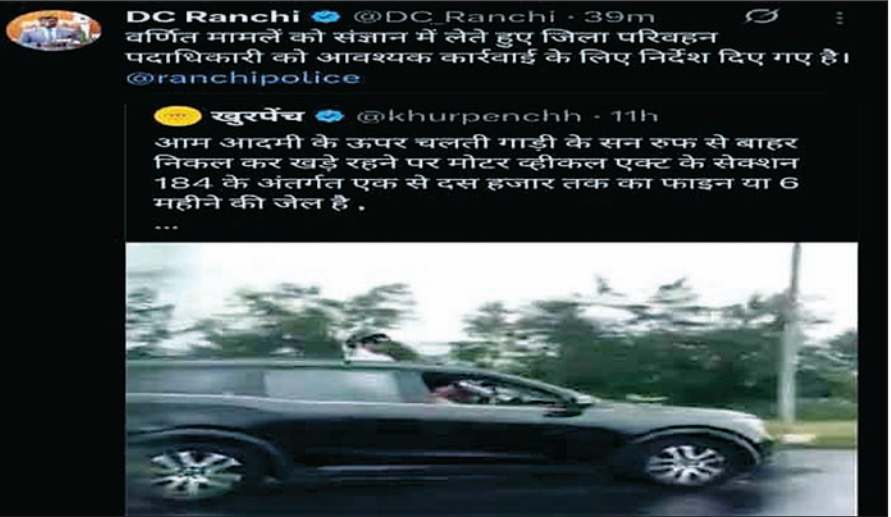
रांची: केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने देशभर में चल रहे डीजल पावर जनरेटिंग सेटों के लिए नए उत्सर्जन मानक लागू किए हैं। इन नियमों के तहत अब सभी उद्योगों और प्रतिष्ठानों को अपने डीजी सेटों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करना अनिवार्य होगा। इस आदेश का मुख्य उद्देश्य वायु प्रदूषण को कम करना और पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। नए नियमों के अनुसार, 800 किलोवाट या 1000 केवीए से अधिक क्षमता वाले डीजल पावर जनरेटिंग सेट इंजनों में कार्बन मोनोऑक्साइड, पार्टिकुलेट मैटर और हाइड्रोकार्बन उत्सर्जन को कम से कम 70 फीसदी तक घटाना होगा। इसके लिए सभी उद्योगों को उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण (इमिशन कंट्रोल इक्विपमेंट) लगाने का निर्देश दिया गया है। यह जांच भी की जाएगी कि लगाए गए उपकरण सही ढंग से काम कर रहे हैं या नहीं। झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भी इस आदेश के अनुपालन को लेकर सभी जिलों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नए नियमों के तहत 125 केवीए और उससे अधिक क्षमता के डीजी सेटों का संचालन करने वाले सभी उद्योगों और प्रतिष्ठानों को पहले से स्थापित इंजन या सेट जो स्टेज-क



और स्टेज-कक उत्सर्जन सीमाओं का पालन नहीं कर रहे हैं, उनमें नियंत्रण उपकरण लगाना होगा। 800 किलोवाट तक की क्षमता वाले डीजल पावर जनरेटिंग सेट इंजनों के लिए उपकरण सीपीसीबी की प्रणाली और रेगुलेटिंग उत्सर्जन नियंत्रण प्रक्रिया के अनुरूप होने चाहिए। वहीं, 800 किलोवाट से अधिक क्षमता वाले सेटों के लिए कार्बन मोनोऑक्साइड, पार्टिकुलेट मैटर और हाइड्रोकार्बन उत्सर्जन में न्यूनतम 70 प्रतिशत की कमी सुनिश्चित की जाएगी। इस आदेश का पालन अधिसूचना की तिथि से छह महीने के भीतर करना अनिवार्य है। नियमों की फेक्ट फाइल के अनुसार, 41 केवीए और उससे अधिक क्षमता के डीजल जनरेटर संचालित करने

वाले उद्योगों को अब गैस आधारित जनरेटरों पर स्विच करने या अपने मौजूदा डीजी सेटों को गैस उपयोग के लिए रेगुलेटिंग करने का निर्देश दिया गया है। उत्सर्जन नियंत्रण उपकरणों का परीक्षण भारत सरकार द्वारा सूचीबद्ध और मान्यता प्राप्त एजेंसियों द्वारा किया जाएगा, जो आईएसओ 8178-5 मानक के तहत प्रमाणित होंगी। आदेश के उद्देश्यन पर वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड ने साफ किया है कि नियमों की अवहेलना करने वाले उद्योगों पर जुर्माना और संचालन बंद करने जैसी कार्रवाई भी की जा सकती है।

स्वास्थ्य मंत्री के बेटे का वीडियो वायरल डीसी ने लिया स्वतः संज्ञान जांच के निर्देश



राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के बेटे कृष्ण अंसारी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह चलती हुई महिंद्रा एक्सयूवी कार के सनरूफ से बाहर निकलकर खड़े नजर आ रहे हैं। वीडियो के सामने आते ही लोगों ने सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया दी है और इसे कानून की खुली अवहेलना बताया है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो रांची शहर के किसी मुख्य मार्ग का है, जहां कृष्ण ने चलती गाड़ी से यह स्टंट किया। मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184 के तहत चलती गाड़ी से इस तरह बाहर निकलना खतरनाक झुईवंग की श्रेणी में आता है, जिसमें एक हजार से दस हजार रुपये तक जुर्माना या छह महीने तक की सजा का प्रावधान है। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग की और यह स्पष्ट उठाया कि क्या कानून केवल आम जनता के लिए हैं। लोगों ने लिखा कि

मंत्री का बेटा जब खुद नियम तोड़ेगा तो जनता से कानून पालन की उम्मीद कैसे की जा सकती है। मामला तूल पकड़ने के बाद शनिवार को रांची उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने इस वीडियो का स्वतः संज्ञान लिया और ट्वीट कर कहा कि उन्होंने जिला परिवहन पदाधिकारी को जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही रांची पुलिस को भी टैग करते हुए पूरे मामले की रिपोर्ट त्वरित रूप से देने को कहा गया है। डीसी ने स्पष्ट किया है कि चाहे कोई भी व्यक्ति हो, ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई अवश्य की जाएगी। जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि वीडियो की लोकेशन और गाड़ी के नंबर की पहचान की जा रही है, ताकि वाहन चालक और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत उचित कार्रवाई की जा सके। अधिकारियों के अनुसार, यदि यह साबित होता है कि वाहन मंत्री परिवार का है, तो चालान के साथ-साथ वाहन की जब्त की भी कार्रवाई की जा सकती है।

सबूत विनय सिंह और उनकी पत्नी को हुआ लाभ एसीबी को मिला सबूत, विनय चौबे ने किया नियम विरुद्ध कार्य

राष्ट्रीय खबर

रांची: एसीबी फिलहाल विनय चौबे के हजारीबाग डीसी रहते हुए वहां हुए दो भूमि घोटालों की जांच कर रही है। पहला मामला सेवायत भूमि की नियमविरुद्ध खरीद-बिक्री से जुड़ा हुआ है, जिसकी कांड संख्या 9/2025 है। यह मामला एसीबी ने जुलाई महीने में दर्ज किया था। इस केस में विनय चौबे के साथ उनके करीबी माने जाने वाले ऑटोमोबाइल कारोबारी विनय सिंह आरोपी हैं। दूसरा मामला वन भूमि की नियम विरुद्ध खरीद-बिक्री और म्यूटेशन का है जिसकी कांड संख्या 11/2025 है। इस केस में विनय सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है और तत्कालीन सीओ अलका कुमारी के कबूलनामे के बाद फरार विनय चौबे की मुश्किलें बढ़ना भी तय माना जा रहा है। अपनी इस खबर में हम आपको बता रहे हैं कि दोनों ही मामलों में एसीबी की जांच में



विनय चौबे और विनय सिंह की भूमिका को लेकर क्या बातें सामने आयी है एसीबी की अब तक की जांच में यह बात सामने आयी है कि जिस सेवायत भूमि की खरीद-बिक्री 23 लोगों को कर दी गयी

है। विनय चौबे ने डीसी रहते उसकी रजिस्ट्री का आदेश पारित किया था और इस कार्य के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के पत्र संख्या 1346 की हथियार बनाया गया था। यह पत्र 15 मई

2010 को जारी हुआ था। एसीबी को यह भी जानकारी मिली है कि खास महल भूमि के मामले में हाइकोर्ट ने छोटानागपुर नार्थ डिवीजन को यह स्पष्ट आदेश दिया था कि उक्त भूमि का ट्रांसफर

किसी के नाम से ट्रांसफर करने का आदेश नहीं दिया जाये। भोज बाबनर्मे, थाना नंबर-252 के अन्तर्गत खाता संख्या-95, प्लॉट नंबर-848, रकवा- 28 डी० और खाता संख्या-73। प्लॉट संख्या -812, रकवा-72 डी०, कुल एक एकड़ भूमि विनय कुमार और उनकी पत्नी सिन्धु सिन्हा, को दस्तावेज संख्या-1710 दस फरवरी 2010 द्वारा खरीदगी से हासिल है। इसका म्यूटेशन नामांकन वाद संख्या -481/2010-11 द्वारा हुआ है। इस वाद का निष्पादन विनय कुमार चौबे के डीसी रहते हुआ। खाता संख्या-73, प्लॉट संख्या-812 रैयती खाते की भूमि है, जबकि खाता संख्या -95, प्लॉट संख्या-848 गैर मजरूआ खाता, किस्म जंगल की भूमि है। इसके लिए सदर अंचल, हजारीबाग के तत्कालीन राजस्व कर्मचारी

संतोष कुमार वर्मा, तत्कालीन अंचल निरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद सिंह और तत्कालीन अंचल अधिकारी अलका कुमारी के साथ साथ विक्रेता (पावर ऑफ एटनी होल्डर) दानीन्द्र कुमार निरंजन कुमार और क्रेता विनय कुमार सिंह और उनकी पत्नी सिन्धु सिन्हा, को प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है। एसीबी की जांच में पाया गया कि सरकारी पदाधिकारियों और कर्मियों के द्वारा पद का दुरुपयोग हुए हजारीबाग जिला के अन्तर्गत गैर मजरूआ खास जंगल किस्म की जमीन को भूमि माफिया से निर्गत कर अवैध तरीके से हासिल और जमाबंदी किये जाने का प्रत्यक्ष साक्ष्य पाया गया है। इसके साथ-साथ विक्रेता और अन्य व्यक्ति भी धोखाधड़ी और मिलीभगत कर उपरोक्त जमीन का खरीद बिक्री में दोषी हैं। तय अपराध की श्रेणी में आता है।

सुनील मीणा अब जमशेदपुर जेल में होगा शिफ्ट

राष्ट्रीय खबर

रांची: लॉरेंस बिश्नोई और अमन साहू गैंग से जुड़ा सुनील मीणा अब जमशेदपुर जेल में शिफ्ट किया जाएगा। सुनील मीणा को अब सुरक्षा कारणों से जमशेदपुर की घाघीडीह सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया जाएगा। फिलहाल मयंक सिंह रामगढ़ जेल में बंद है, लेकिन जेल प्रशासन ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए उसे वहां रखना जोखिम भरा माना। इसे देखते हुए जेल प्रशासन ने जमशेदपुर के अति सुरक्षित केंद्रीय कारागार में शिफ्ट करने की सिफारिश की थी। जेल आईजी ने इस सिफारिश को मानते हुए तत्काल प्रभाव से मयंक को घाघीडीह जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। बता दें कि मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा को अजरबैजान से प्रत्यर्पित कर झारखंड लाया गया था। वह विदेश से गिरफ्तार होने वाला झारखंड का पहला अपराधी है, जिसकी सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। प्रत्यर्पण के



बाद उसे रामगढ़ जेल में रखा गया था। मयंक सिंह पर हजारीबाग जिले के बड़कागांव और उरुमारी थाना क्षेत्रों में कई गंभीर मामले दर्ज हैं। इन मामलों में बड़कागांव थाना कांड संख्या 198/21, 252/21, 256/21, 287/23, 208/23, उरुमारी ओपी कांड संख्या 196/21, और डाडीकला ओपी कांड संख्या 182/23 शामिल हैं। इन सभी मामलों में भारतीय दंड संहिता की धारा 385 और 387 (जबरन वसूली) के तहत आरोप लगाए गए हैं। पुलिस अब इन सभी मामलों में आगे की जांच में जुटी हुई है।